Total No. of Questions—4] [Total No. of Printed Pages—2

[3602]-11

M.A. (Part I) (Term-End) EXAMINATION, 2009

हिंदी

प्रथम प्रश्नपत्र (सामान्य स्तर)

(आधुनिक गद्य)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 60**

पाठ्य-पुस्तकें : (*i*) गली आगे मुड़ती है — शिवप्रसाद सिंह

(*ii*) कथा-परिदृश्य — सं. डॉ. सतीश जनार्दन केकरे, प्रो. कौशलेंद्र झा

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. "भ्रष्ट शिक्षा व्यवस्था में युवकों के प्रति लेखक निराश नहीं है ।" 'गली आगे मुड़ती है' उपन्यास के आधार पर इस कथन की युक्तियुक्त चर्चा कीजिए ।

अथवा

'गली आगे मुड़ती है' उपन्यास के देश-काल-वातावरण पर प्रकाश डालिए ।

2. "देश-विभाजन के दौर की कहानियाँ सामान्य मनुष्य की त्रासदी को व्यक्त करती हैं ।" 'कथा-परिदृश्य' के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

कहानी कला की दृष्टि से 'वापसी' **अथवा** 'पिता' कहानी की समीक्षा कीजिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'गली आगे मुड़ती है' का कथ्य

P.T.O.

(ख) 'गली आगे मुड़ती है' की जयंती

(ग) 'गली आगे मुड़ती है' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता

(घ) 'उसने कहा था' का लहनासिंह

(च) घीसू का दर्शन ।

4. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(त) "आँखें मन का दर्पण होती हैं देवरजी । मन जब साँचों को नहीं तोड़ पाता तो भला आँखें कैसे तोड़ लेंगी ।"

अथवा

"इतना ही वचन दे दो कि तुम उतावली में अपने को शहीद बनाने के मिथ्या गौरव को नहीं चाहोगे ।"

(थ) "वह न बैकुंठ में जायेगी तो क्या ये मोटे मोटे लोग जायेंगे जो गरीबों को दोनों हाथों से लूटते हैं और अपने पाप को धोने के लिए गंगा में नहाते हैं और मंदिरों में जल चढ़ाते हैं ।"

अथवा

"मैंने सोचा था कि बरसों तुम सबसे अलग रहने के बाद अवकाश पाकर परिवार के साथ रहूँगा । खैर, परसों जाना है । तुम भी चलोगी ?"

Total No. of Questions—5] [Total No. of Printed Pages—3

[3602]-111

M.A. (Part I) (First Semester) EXAMINATION, 2009

हिंदी

प्रश्नपत्र 1 : सामान्य स्तर

आधुनिक हिंदी कथा साहित्य

(JUNE 2008 PATTERN)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) कालजयी हिंदी कहानियाँ—सं. रेखा सेठी, रेखा उप्रेती

(*ii*) विज़न—मैत्रेय पुष्पा

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. "कहानी कला की दृष्टि से प्रेमचंद की 'कफ़न' हिंदी की श्रेष्ठ कहानी है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

"आधुनिक हिंदी कहानियों में 'आम आदमी की वेदना' प्रधान रूप से झलकती है।" पठित कहानियों के आधार पर स्पष्ट कीजिए.

2. 'विज़न' उपन्यास के प्रमुख पात्रों के चरित्र-चित्रण पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'विज़न' उपन्यास में मैत्रेयी पुष्पा ने दो पीढ़ियों के संघर्ष का चित्रण किस प्रकार किया है ? स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

3. कहानी के प्रमुख तत्वों के आधार पर कमलेश्वर की 'गर्मियों के दिन' कहानी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(*i*) विज़न उपन्यास की शैली

(*ii*) डॉ. आलोक का संघर्ष

(*iii*) फॉरेन बॉडी सर्जरी।

4. " 'विज़न' उपन्यास में नौजवान डॉक्टरों की विविध समस्याओं को सही ढंग से आँका गया है।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लिखिए :

(*i*) बग्गा साहब अपनी कुतिया के पिल्ले को लोगों को देने की अपेक्षा मरवा क्यों देते हैं ?

(*ii*) सोमा बुआ ने शादी में जाने के लिए क्या-क्या तैयारी की थी ?

(*iii*) सिद्धेश्वरी के रोटी के आग्रह को घर का हर सदस्य किस प्रकार डालता है ?

(*iv*) मि. शामनाथ की माँ अचानक चीफ़ की दावत में कैसी पहुँची ?

(*v*) वैद्यजी गर्मी की दोपहर में भी घर क्यों नहीं गये ?

(*vi*) 'उमस' कहानी की नायिका 'रानी' अपने बिस्तर पर जाकर क्यों रोती रही ?

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(द) 'हाँ बेटा, बैकुंठ में जाएगी। किसी को सताया नहीं, किसी को दबाया नहीं। मरते-मरते हमारी जिंदगी की सबसे बड़ी लालसा पूरी कर गई। वह न बैकुंठ जाएगी तो क्या ये मोटे-मोटे लोग जाएँगे जो गरीबों को दोनों हाथों से लूटते हैं और अपने पाप को धोने के लिए गंगा में नहाते हैं और मंदिरों में जल चढ़ाते हैं।'

अथवा

'पर बतलाने वालों ने बताया कि गरीब के मुँह पर, छाती, मुट्ठियों और पैरों पर बरफ की हल्की-सी चादर चिपक गयी थी। मानो दुनिया की बेहयाई ढंकने के लिए प्रकृति ने शव के लिए सफेद और ठंडे कफन का प्रबंध कर दिया।

(ध) 'लोग बेटा पैदा होते ही एक काल्पनिक बहू की तस्वीर रच लेते हैं। उसके आने के क्षण की तमन्ना में खुशियाँ सँजोते रहते हैं।..... लेकिन जब वह दिन आता है तो दूसरा मोर्चा खोल देते हैं। बहू से लड़के को बचाओ अभियान जोरों से चलने लगता है।'

अथवा

'पापा शरण की बनायी हुई गंगा में नाव खेना मुश्किल नहीं, असंभव-सा है, क्योंकि उनके लिए अपना अहं और बेटा, मरीज और रोग के निदान से बढ़कर है।

Total No. of Questions—5] [Total No. of Printed Pages—3

[3602]-112

M.A. (Part I) (First Semester) EXAMINATION, 2009

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 2 : विशेष स्तर

प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य

(JUNE 2008 PATTERN)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) विद्यापति : आलोचना और संग्रह
संपादक—डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
(*ii*) पद्मावत : मलिक मुहम्मद जायसी
संपादक—वासुदेवशरण अग्रवाल

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. "विद्यापति नारी-सौंदर्य के कुशल चितेरे हैं।" उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से इस कथन की सार्थकता प्रमाणित कीजिए।

अथवा

"भावसौंदर्य और रचना-सौष्ठव का मणिकांचन संयोग पदावली में हुआ है।" सोदाहरण विवेचन कीजिए।

2. 'पद्मावत' के आधार पर जायसी के प्रेमभाव का सम्यक् निरूपण कीजिए।

अथवा

'जायसी के रहस्यवाद' को स्पष्ट करते हुए उसके विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

3. "विद्यापति की पदावली में गीतिकाव्य की सभी विशेषताएँ विद्यमान हैं।" सप्रमाण सिद्ध कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'पद्मावत' में लोकतत्व

(ख) 'पद्मावत' की नागमती

(ग) पद्मावत में अलंकार योजना।

4. "रूपसौंदर्य चित्रण में जायसी ने सूक्ष्मदर्शिता का परिचय दिया है।" विवेचन कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(त) "विद्यापति के काव्य में प्रकृति अत्यन्त सजीव रूप में उपस्थित हुई है।" स्पष्ट कीजिए।

(थ) विद्यापति के विरह वर्णन का शास्त्रीय दृष्टि से विश्लेषण कीजिए।

(द) विद्यापति के काव्य का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

(ध) विद्यापति पर पूर्ववर्ती कवियों के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

(च) विद्यापति की भक्ति-भावना को निरूपित कीजिए।

(छ) विद्यापति के जीवन और रचनाओं का विवेचन कीजिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(च) 'बड सुख-सार पाओत तुअ तीरे।
छोडइत निकट नयन वह नीरे।
कर जोरि विनमओ विमल तरंगें।
पुन दरसन होइ पुनमति गंगे।
एक अपराध छेमव मोर जागी।
परसत माय पाए तुअ पानी।'

अथवा

'अनुखन माधव माधव सुमरइत सुन्दर भेलि मधाई।
ओ निज भाव सुभावहि बिसरल अपने गेन लुबुधाई॥
माधव अपरुब तोहर सिनेह।
अपने विरह अपने तनु जरजर जिबइत भेल सन्देह।
भेरहि सहचरि कातर दिठि हेरि छल-छल लोचन पानी।
अनुखन राधा-राधा रटइत आधा-आधा बानि॥

(झ) 'कहा मानसर चहा जो पाई। पारस रूप इहाँ लगि आई॥१॥
भा निरभर तेन्ह पायन परसे। पावा रूप रूप कें दरसें॥२॥
मलै समीर बास तन आई। भा सीतल गै तपनि बुझाई॥३॥
न जनौ कौनु पौन लै आवा। पुन्नि दसा भै पाप गँवावा॥४॥
ततखन हार बेगि उतिराना। पावा सखिन्ह चंद बिहँसाना॥५॥
बिगसे कुमुद देखि ससि रेखा। भै तेहिं रूप जहाँ जो देखा॥६॥

अथवा

कुहुकि कुहुकि जसि कोइलि रोई। रकत आँसू घुंघुची बन बोई॥१॥
पै करमुखी नैन तन राती। को सिराव बिरहा दुख ताती॥२॥
जहँ जहँ ठाढि होई बनबासी। तहँ तहँ होइ घुंघुचिन्ह कै रासी॥३॥
बुँद बुँद महँ जानहुँ जीउ। कुंजा गुंजि करहि पिउ पिउ॥४॥
तेहि दुख डहे परास निपाते। तोहु बुडि उठे परभाते॥५॥
राते बिंब भए तेहि लोहू। परवट पाक फाट हिय गोहूँ॥६॥

Total No. of Questions—8] [Total No. of Printed Pages—2

[3602]-113

M.A. (Part I) (First Semester) EXAMINATION, 2009

हिंदी

प्रश्न-पत्र 3 : विशेष स्तर

भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत

(JUNE 2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भारतीय काव्यशास्त्र की सुदीर्घ परंपरा का विवेचन कीजिए।

2. रस के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए रसांगों की चर्चा कीजिए।

3. अलंकार के स्वरूप को विशद करते हुए काव्य में उसका स्थान निर्धारित कीजिए।

4. रीति-भेदों के आधारों का उल्लेख करते हुए किन्हीं **दो** रीति-भेदों का सोदाहरण परिचय दीजिए।

5. ध्वनि के प्रकारों को स्पष्ट करते हुए ध्वनि-सिद्धांत का महत्व विशद कीजिए।

6. वक्रोक्ति के प्रमुख भेदों का परिचय देते हुए स्पष्ट कीजिए कि वक्रोक्ति को 'काव्य-जीवित' मानना कहाँ तक उचित है ?

7. काव्यशास्त्र विषयक भारतीय सिद्धांतों के संदर्भ में औचित्य का महत्व निरूपित कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) साधारणीकरण की अवधारणा

(ख) रीति और शैली

(ग) ध्वनि और स्फोट सिद्धांत

(घ) औचित्य के भेद।

Total No. of Questions—8+8+8+8] [Total No. of Printed Pages—8

[3602]-114

M.A. (Part I) (First Semester) EXAMINATION, 2009

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 4 : विशेषस्तर : वैकल्पिक

(JUNE 2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना :— निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तक :— कबीर ग्रंथावली – सं. श्यामसुंदर दास ।

सूचनाएँ :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. कबीर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके कृतित्व का परिचय दीजिए ।

2. कबीर के धार्मिक विचारों का निरूपण कीजिए ।

3. कबीर की विरहानुभूति का विवेचन कीजिए ।

4. कबीर की दार्शनिकता को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

5. कबीर के काव्य की प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

6. कबीर के कवित्व को सोदाहरण विशद कीजिए ।

7. पठित छंदों के आधार पर कबीर की विद्रोह भावना पर प्रकाश डालिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) कबीर गुर गरवा मिल्या, रलि गया आटैं लूँण ।
जाति पाँति कुल सब मिटे, नाँव धरौगे कौंण ।।
जाका गुर भी अंधला, चेला खरा निरंध ।
अंधा-अंधा ठेलिया दून्यूँ कूप पडंत ।।

(आ) 'पाँणी केरा बुदबुदा, इसी हमारी जाति ।
एक दिनाँ छिप जाँहिंगे, तारे ज्यूँ परभाति ।।
कबीर यहु जग कुछ नहीं, षिन पारा षिन मींठ ।
काल्हि जु बैठा माडियाँ, आज नसाँणाँ दीठ ।।'

(इ) अकथ कहाँणी प्रेम की, कछू कही न जाई ।
गूँगे केरी सरकरा, बैठे मुसकाई ।।
भोमि बिनाँ अरु बीज बिन, तरवर एक भाई ।
अनँत फल प्रकासिया, गुर दीया बताई ।।
मन थिर बैसि बिचारिया, राँमहि ल्यौ लाई ।
झूठी अनभै बिस्तरी, सब थोथी बाई ।।

(आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (1) श्रीरामचरितमानस (उत्तरकाण्ड) ।
(2) विनयपत्रिका – सं. वियोगी हरि ।

सूचनाएँ :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है ।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. तुलसीदास की प्रामाणिक रचनाओं का परिचय दीजिए ।

2. "तुलसीदास का काव्य भक्ति प्रधान काव्य है ।" इस कथन के आलोक में तुलसी की भक्ति-पद्धति की समीक्षा कीजिए ।

3. 'रामचरितमानस' के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए ।

4. "तुलसी का साहित्य उन्हें वास्तविक लोकनायक सिद्ध करता है ।" साधार विवेचन कीजिए ।

5. 'विनयपत्रिका' में तुलसी ने अपने मन को किस प्रकार प्रबोधित किया है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

6. 'विनयपत्रिका' की अलंकार और छंदयोजना पर प्रकाश डालिए ।

7. गीतिकाव्य परंपरा में विनयपत्रिका का स्थान निर्धारित कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) दीनबंधु रघुपति कर किंकर । सुनत भरत भेंटेउ उठि सादर ।
मिलत प्रेम नहिं हृदयँ समाता । नयन स्रवत जल पुलकित गाता ।
कपि तव दरस सकल दुख बीते । मिले आजु मोहि राम पिरीते ।
बार-बार बूझी कुसलाता । तो कहुँ देऊँ काह सुनु भ्राता ।

अथवा

राजीव लोचन स्रवत जल तन ललित पुलकावलि बनी ।
अति प्रेम हृदयँ लगाइ अनुजहि मिले प्रभु त्रिभुवन धनी ।
प्रभु मिलत अनुजहि सोह मो पहिं जाति नहिं उपमा कही ।
जनु प्रेम अरु सिंगार तनु धरि मिले बर सुषमा लही ।

(आ) ऐसी मूढता या मन की ।
परिहरि राम-भगति-सुरसरिता आस करत ओस कन की ।
धूम-समूह निरखि चातक ज्यों, तृषित जानि मति घन की ।
नहिं तहँ सीतलता न बारि, पुनि हानि होति लोचन की ।
ज्यों गच-काँच विलोकि सेन जड़ छाँह आपने तन की ।
टूटत अति आतुर अहार-बस, छति बिसारि आनन की ।

अथवा

जो पै जानकिनाथ सों नातो नेह न नीच ।
स्वारथ परमारथ कहा, कलि कुटिल बिगोयो बीच ।
धरम बरन आस्रमनि के पैयत पोथिही पुरान ।
करतब बिनु बेष देखिये ज्यों सरीर बिनु प्रान ।
बेद बिदित साधन सबै, सुनियत दायक फलचारि ।
राम-प्रेम बिनु जानिबो जैसे सर-सरिता बिनु बारि ।।

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार मोहन राकेश

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (1) आषाढ का एक दिन ।
(2) लहरों के राजहंस ।
(3) आधे अधूरे ।

सूचनाएँ :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है ।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. भारतीय दृष्टि से नाटक के तत्वों का परिचय दीजिए ।

2. मोहन राकेश के नाटकों का सामान्य रूप में विवेचन कीजिए ।

3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटकों का विकास बताते हुए नाट्य-क्षेत्र में मोहन राकेश के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

4. 'आषाढ का एक दिन' की भाषा तथा संवाद-योजना पर प्रकाश डालिए ।

5. अभिनेयता और मंचीयता की दृष्टि से 'लहरों के राजहंस' नाटक की समीक्षा कीजिए ।

6. "'आधे अधूरे' नाटक के माध्यम से नाटककार ने आधुनिक युग के मध्यवर्गीय परिवार की कुण्ठाओं का परिचय दिया है ।" स्पष्ट कीजिए ।

7. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :
(क) मोहन राकेश का नाट्य-चिंतन ।
(ख) 'आषाढ का एक दिन' की मल्लिका ।
(ग) 'लहरों के राजहंस' में संवाद योजना ।
(घ) 'आधे अधूरे' की सावित्री ।

8. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(च) "नहीं चाहता कि मेरे कारण यहाँ कोई अयाचित स्थिति उत्पन्न हो, परंतु क्या अयाचित स्थिति उत्पन्न हो सकती है, यह जान सकता हूँ ।"

अथवा

"मैं यद्यपि तुम्हारे जीवन में नहीं रही, परंतु तुम मेरे जीवन में सदा वर्तमान रहे हो । मैंने कभी तुम्हें अपने पास से हटने नहीं दिया ।"

(छ) "तुम्हारी कही हुई बात तुम्हारे लिए उतना महत्व नहीं रखती जितना मेरे लिए । यह तुम नहीं जानती ।"

अथवा

"क्या अब तू मुझे यह विश्वास दिलाना चाहेगी कि मैं जागती आँखों से भी सपना ही देखकर आई हूँ ।"

(ज) "मेरे पास अब बहुत साल नहीं है जीने को । पर जितने हैं, उन्हें मैं इसी तरह और निभाते हुए नहीं काटूँगी ।"

अथवा

"उस मोहरे की बिल्कुल-बिल्कुल जरूरत नहीं है, जो न खुद चलता है, न किसी और को चलने देता है ।"

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि अज्ञेय

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (1) हरी घास पर क्षण भर ।
(2) बावरा अहेरी ।
(3) कितनी नावों में कितनी बार ।

सूचनाएँ :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है ।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. कवि अज्ञेय के जीवनवृत्त एवं कृतित्व का परिचय दीजिए ।

2. अज्ञेय के काव्य की भावगत एवं शिल्पगत विशेषताओं का सोदाहरण निरूपण कीजिए ।

3. "प्रकृति निरूपण में अज्ञेय के सौंदर्य-बोध को देखा जा सकता है ।" कथन के आधार पर अज्ञेय के प्रकृति-चित्रण की विशेषताएँ बताइए ।

4. अज्ञेय के काव्य में निरूपित प्रेमभाव को पठित कविताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

5. कथ्य एवं शिल्प की दृष्टि से 'हरी घास पर क्षण भर' की समीक्षा कीजिए ।

6. "'बावरा अहेरी' में कवि की आंतरिक अनुभूतियाँ और प्रेमानुभूति का स्वर है ।" कथन को स्पष्ट कीजिए ।

7. "'कितनी नावों में कितनी बार' में कवि ने मनुष्य के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है ।" पठित कविताओं के आधार पर विवेचन कीजिए ।

8. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) "अगर मैं तुमको ललाती साँझ के नभ की अकेली तारिका
अब नहीं कहता
या शरद के भोर की नीहार-न्हायी कुईं,
टटकी कली चम्पे की, वगैरह, तो
नहीं कारण कि मेरा हृदय उथला या सूना है
या कि मेरा प्यार मैला है ।"

(ख) "इतराया यह भौर ज्वार का क्वाँर की बयार चली,
शशि गगन-पार हँसे न हँसे, – शेफाली आँसू ढार चली !
नभ में रवहीन दीन बगुलों की डार चली;
मन की अब अनकही रही पर मैं बात हार चली !"

(ग) "डरो मत, शोषक भैया,
मेरा रक्त ताजा है
मेरी लहर भी ताजा और शक्तिशाली है ।
ताजा, जैसे भट्टी से ढलते गले इस्पात की धार,
शक्तिशाली, जैसे तिसूल:"

(घ) "ये स्मारक-नये-पुराने-ढूह-नहीं,
वह मिट्टी ही है पूज्य:
प्यार की मिट्टी
जिससे सरजन होता है
मूल्यों का
पीढी-दर-पीढी ।"

Total No. of Questions—4] [Total No. of Printed Pages—3

[3602]-12

M.A. (Part I) (Term-End) EXAMINATION, 2009

हिंदी

प्रश्नपत्र : 2 (विशेष स्तर)

(प्राचीन काव्य)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 60**

पाठ्य-पुस्तकें : (*i*) विद्यापति — आलोचना और संग्रह
संपादक — डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
(*ii*) पद्मावत — मलिक मुहम्मद जायसी
संपादक — डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. "विद्यापति की पदावली में प्रकृति का मनोहारी रूप चित्रित हुआ है ।" साधार विवेचन कीजिए ।

अथवा

"विद्यापति के उद्दाम शृंगार चित्रों को देखकर उन्हें भक्त कवि नहीं कहा जा सकता ।" इस कथन के पक्ष या विपक्ष में अपना मत प्रतिपादित कीजिए ।

2. पद्मावत के आधार पर जायसी के वियोग-वर्णन की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

पद्मावत के प्रमुख पात्रों की चरित्रगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) विद्यापति की भक्ति भावना

(ख) विद्यापति की भाषा

(ग) 'पद्मावत' में सौन्दर्य वर्णन

(घ) 'पद्मावत' में लोकतत्व ।

4. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(च) कि आरे नव जौबन अभिरामा ।

जत देखल तत कहए न पारिअ छओ अनुपम एक ठामा ॥

हरिन इन्दु अरविंद करिनि हेम पिक बूझल अनुमानी ।

नयन बदन परिमल गति तनरुचि अओअति सुललित बानी ॥

कुच जुग परसि चिकुर फुजि पसरल ता अरुझावल हारा ।

जनि सुमेरु ऊपर मिलि ऊगल चाँद बिहुत सब तारा ॥

अथवा

अनुखन माधव माधव सुमरइत सुंदर भेलि मधाई ।

ओ निज भाव सुभावहि बिसरल अपने गेन लुबुधाई ॥

माधव अपरुब तोहर सिनेह ।

अपने विरह अपने तनु जरजर जिबइत भेल संदेह ॥

भेरहि सहचरि कातर दिठि हेरि छल-छल लोचन पानि ।

अनुखन राधा-राधा रटइत आधा-आधा बानि ॥

(छ) कहा मानसर चहा सो पाई । पारस रूप इहाँ लगि आई ।
भा निरमर तेन्ह पायन परसें । पावा रूप रूप कें दरसें ।
मलै समीर बास तन आई । भा सीतल गै तपनि बुझाई ।
न जनौं कौनु पौन लै आवा । पुन्नि दसा भै पाप गँवावा ।
ततखन हार बेगि उतिराना । पावा सखिन्ह चंद बिहँसाना ।
बिगसे कुमुद देखि ससि रेखा । भै तेहिं रूप जहाँ जो देखा ।

अथवा

कुहुकि कुहुकि जसि कोइलि रोई । रकत आँसु घुंघुची बन बोई ।
पै करमुखी नैन तन राती । को सिराव बिरहादुख ताती ।
जहँ जहँ ठाढ़ि होइ बनबासी । तहँ तहँ होइ घुंघुचिन्ह कै रासी ।
बुंद बुंद महँ जानहुँ जीऊ । कुंजा गुंजि करहिं पिउ पिऊ ।
तेहि दुख डहे परास निपाते । लोहू बूड़ि उठे परभाते ।
राते बिंब भए तेहि लोहू । परवर पाक फाट हिय गोहूँ ।

(ज) पथगति पेखल मो राधा ।
तखनुक भाव परान पए पीडलि रहल कुमुदनिधि साधा ।
ननुआ नयन नलिनी जनु अनुपम बंक निहारइ थोरा ।
जनि सृंखल में खगवर बांधल दीठी नुकाएलि मोरा ।
आध बदन-ससि बिहसि देखाओलि आध पीहलि निझ बहू ।
किछु एक भाग बलाहक झाँपल किछुक गरासल राहू ।

अथवा

सावन बरिस मेह अति पानी । भरनि भरह हौं बिरह झुरानी ।
लागु पुनर्बसु पीउ न देखा । भै बाउरि कहँ कंत सरेखा ।
रकत क आँसु परे भुइँ टूटी । रेंगि चली जनु बीर बहूटी ।
सखिन्ह रचा पिउ संग हिँडोला । हरियर भुइँ कुसुंभि तन चोला ।

Total No. of Questions—8] [Total No. of Printed Pages—2

[3602]-13

M.A. (Part I) (Term-End) EXAMINATION, 2009

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 3 : विशेष स्तर

(भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र तथा आलोचना)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 60**

सूचनाएँ :— (*i*) कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. भरतमुनि के रस-सूत्र को स्पष्ट करते हुए रस के अवयवों की चर्चा कीजिए ।

2. साधारणीकरण की अवधारणा को समझाते हुए इस संदर्भ में आचार्य शुक्ल के मत की विवेचना कीजिए ।

3. अलंकार के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए इसके ऐतिहासिक विकास-क्रम पर प्रकाश डालिए ।

4. रीति के लिए प्रयुक्त विविध पर्यायों का उल्लेख करते हुए वैदर्भी और पांचाली रीति का सोदाहरण परिचय दीजिए ।

5. ध्वनि और शब्द-शक्ति के पारस्परिक संबंध की चर्चा करते हुए ध्वनिसिद्धांत का महत्व विशद कीजिए ।

6. वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप स्पष्ट करते हुए अन्य सिद्धांतों के संदर्भ में वक्रोक्ति का महत्व समझाइए ।

7. औचित्य के स्वरूप को विशद करते हुए औचित्य के भेदों का विवेचन कीजिए ।

8. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) रीतिभेद के आधार

(ख) कुंतक पूर्व वक्रोक्ति ।

Total No. of Questions—8+8+8+8+8+8+8] [Total No. of Printed Pages—16+1

[3602]-14

M.A. (Part I) (Term-End) EXAMINATION, 2009

हिंदी

प्रश्नपत्र 4 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

विशेष सूचना :— निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 60**

पाठ्य-पुस्तक : कबीर ग्रंथावली—सं. श्यामसुंदर दास ।

सूचनाएँ :— (*i*) कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. निर्गुण काव्यधारा में कबीर का स्थान निर्धारित कीजिए ।

2. "कबीर का व्यक्तित्व कबीर के काव्य से उजागर होता है ।" कथन की समीक्षा कीजिए ।

3. कबीर के साहित्य पर नाथ-संप्रदाय तथा सूफी-संप्रदाय के प्रभाव को सोदाहरण बताइए ।

4. कबीर के सामाजिक विचारों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

5. प्रेम-तत्व का महत्व कबीर ने अपने काव्य में किस प्रकार व्यक्त किया है ?

P.T.O.

6. 'आँखिन देखी' को प्रमुख स्थान देने वाले कबीर का लोक चिंतन स्पष्ट कीजिए ।

7. कबीर के विरह का आध्यात्मिक स्वरूप विशद कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) सतगुरु बपुरा क्या करै, जे सिषही माँहै चूक ।
भावै त्यूँ प्रमोधि ले, ज्यूँ बँसि बजाई फूक ॥
गुरु गोविंद तौ एक है, दूजा यहु आकार ।
आपा मेट जीवत मरै, तौ पावै करतार ॥

(आ) 'यह तन जालौं मसि करूँ, ज्यू धूवाँ जाइ सरग्गि ।
मति वै राम दया करै, बरसि बुझावै अग्गि ।
यह तन जालौ मसि करौं, लिखौ राम का नाऊँ ।
लेखणि करूँ करंक की, लिखि लिखि राम पठाऊँ ।

(इ) घट माँहैं औघट लह्या, औघट माहैं घाट ।
कहि कबीर परचा भया, गुरू दिखाई बाट ॥
सूर समाँणाँ चंद में, दहूँ किया धर एक ।
मनका च्यँता तब भया, कछू पूरणला लेख ॥

(ई) नैनाँ अंतरि आव तूँ, ज्यूँ हौं नैन झँपेउँ ।
नाँ हौं देखौं और कूँ, नाँ तुझ देखन देउँ ।

मेरा मुझमें कुछ नहीं, जो कुछ है सो तेरा ।

तेरा तुझकौं सौंपता, क्या लागै मेरा ।

(उ) कबीर कहा गरबियौ, इस जोबन की आस ।

टेसू फूले दिवस चारि, खंखर भये पलास ॥

कबीर कहा गरबियौ, काल गहै कर केस ।

नाँ जाँणौ कहाँ मारिसी, कै घरि कै परदेस ॥

(ऊ) भगति दुहेली राँम की, नहि कायर का काँम ।

सीस उतारै हाथि करि, सो लेसी हरि नाँम ॥

भगति दुहेली राँम की, जैसि अगनि की झाल ।

डाकि पडे ते ऊबरे, दाधे कौतिगहार ॥

(आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 60

पाठ्य-पुस्तकें : (1) श्रीरामचरितमानस (अयोध्याकाण्ड)

(2) विनयपत्रिका—सं. वियोगी हरि ।

सूचनाएँ :— (*i*) कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. तुलसीदास के जीवनवृत्त और कृतित्व का परिचय दीजिए ।

2. तुलसी के मर्यादावाद को रामचरितमानस के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

3. "तुलसीदास रस-सिद्ध कवि हैं ।" मानस के आधार पर सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

4. "तुलसी का मानस प्रकृति-सुंदरी का रमणीय क्रीडा-स्थल है ।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

5. 'विनयपत्रिका' में व्यक्त तुलसी की भक्तिभावना का विवेचन करते हुए उसका स्वरूप विशद कीजिए ।

6. 'विनयपत्रिका' के आधार पर तुलसी के दार्शनिक विचार समझाइए ।

7. " 'विनयपत्रिका' में आदि से अंत तक कवि की रस-धारा एक जैसी प्रवाहित हुई है ।" विवेचन कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) 'पद कमल धोइ चढ़ाइ नाव न नाथ उतराई चहौं ।
मोहि राम राउरि आन दसरथ सपथ सब साची कहौं ॥
बरु तीर मारहुँ लखनु पै जब लगि न पाय पखारिहौं ।
तब लगि न तुलसीदास नाथ कृपाल पारु उतारिहौं ॥

(आ) 'बरनि न जाइ मनोहर जोरी । सोभा बहुत थोरि मति मोरी ॥
राम लखन सिय सुंदरताई । सब चितवहिं चितमन मतिलाई ॥
थके नारि नर प्रेम पियासे । मनहुँ मृगी मृग देखि दिआ से ॥
सिय समीप ग्रामतिय जाहीं । पूछत अति सनेहँ सकुचाहीं ॥

(इ) मैं जानउँ निज नाथ सुभाऊ । अपराधिहु पर कोह न काऊ ।
मो पर कृपा सनेहु विसेषी । खेलत खुनिस न कबहूँ देखी ।
सिसुपन तें परिहरेउँ न संगू । कबहुँ न कीन्ह मोर मन भंगू ॥
मैं प्रभु कृपा रीति जियँ जोही । हारेहुँ खेल जितावहिं मोही ।

(ई) 'देव ! तू दयालु, दीन हौं, तू दानि, हौं भिखारी ।
हौं प्रसिद्ध पातकी, तू पाप पुंज-हारी ।
नाथ तू अनाथ को, अनाथ कौन मो-सो ?
मो-समान आरत नहिं, आरतिहर तो-सो ।
ब्रह्म तू, हौं जीव, तू ठाकुर, हौं चेरो ।
तात, मात, गुरु, सखा तू सब बिधि हितु मेरो ।'

(उ) 'अबलौं नसानी, अब न नसैहौं ।
रामकृपा भव-निसा सिरानी, जागे फिर न डसैहौं ।
पायो नाम चारु चिंतामणि, उए कर ते न खसैहौं ।
स्याम रूप सुचि रुचिर कसौटी, चित-कंचनहि कसैहौं ।
परबस जानि हँस्यो इन इंद्रिन, निजबस ह्वै न हसैहौं ।
मन मधुकर पन कै तुलसी, रघुपति-पद-कमल बसैहौं ।

(ऊ) रघुपति-भगति करत कठिनाई ।
कहत सुगम, करनी अपार, जाने सोइ, जेहि बनि आई ।
जो जेहि कला-कुसल ताकहँ, सोइ सुलभ सुखकारी ।
सफरी सनमुख जल-प्रवाह, सुरसरि बहै गज भारी ।
ज्यों सर्करा मिलै सिकता महँ, बल तें न कोउ बिलगावै ।
अति रसग्य सूच्छम पिपीलिका, बिनु प्रयास ही पावै ।

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार जयशंकर प्रसाद

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 60**

पाठ्य-पुस्तकें : (1) करुणालय

(2) कामना

(3) स्कन्दगुप्त ।

सूचनाएँ :— (*i*) कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. नाटक के तत्वों का सामान्य परिचय दीजिए ।

2. प्रतीक नाटक का स्वरूप स्पष्ट करते हुए प्रतीकात्मक नाटक के तत्वों का विवेचन कीजिए ।

3. प्रसाद के नाटकों के प्रेरणास्रोतों पर प्रकाश डालिए ।

4. गीतिनाट्य के तत्वों के आधार पर 'करुणालय' की समीक्षा कीजिए ।

5. 'कामना' की चरित्र-सृष्टि पर प्रकाश डालिए ।

6. " 'स्कन्दगुप्त' की कथावस्तु संरचना में इतिहास और प्रसाद की विराट कल्पना का सुंदर समन्वय हुआ है ।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

7. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'करुणालय' में संवाद योजना

(ख) 'स्कन्दगुप्त' में संघर्ष तत्व ।

8. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) 'देव ! आप यदि हैं प्रसन्न, तो भाग्य है'

प्रभो ! सदा आदेश आपका ध्यान से

पालन करता रहे दास, वर दीजिये,

'रुके कर्म-पथ में न कभी यह भीत हो ।'

अथवा

जो परिपालक है इस पूरे विश्व का ।

तुममें जब हो शक्ति और यह पुत्र भी

शुनःशेफ हो मुक्त आप; तब जान लो

यह कार्य पूरा होकर फल मिल गया ।'

(ख) 'ईश्वर है, और वह सबके कर्म देखता है । अच्छे कार्यों का पारितोषिक और अपराधों का दण्ड देता है । वह न्याय करता है, अच्छे को अच्छा और बुरे को बुरा ।'

अथवा

"यदि वीर हो, तो चलो—वीरभोग्या तो वसुंधरा होती ही है । उस पर जो सबल पदाघात करता है; उसे वह हृदय खोलकर सोना देती है ।"

(ग) 'देव ! यह सिंहासन आपका है, मालवेश का इस पर कोई अधिकार नहीं । आर्यावर्त के सम्राट के अतिरिक्त अब दूसरा कोई मालव के सिंहासन पर नहीं बैठ सकता ।'

अथवा

"तुम वीर हो, इस समय देश को वीरों की आवश्यकता है । तुम्हारा यह प्रायश्चित नहीं । रणभूमि में प्राण देकर जननी जन्मभूमि का उपकार करो ।"

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि नरेश मेहता

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 60**

पाठ्य-पुस्तकें : (1) बनपाखी सुनो

(2) संशय की एक रात ।

सूचनाएँ :— (*i*) कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. 'नई कविता ने जिन तत्वों के आधार पर अपने आपको परंपरा से अलग किया, वे सभी तत्व नरेश मेहता में मिलते हैं ।' स्पष्ट कीजिए ।

2. "नरेश मेहता की कविताओं में प्रेम के उदात्त रूप का चित्रण हुआ है ।" विवेचन कीजिए ।

3. " 'बनपाखी सुनो' में प्रकृति का सजीव चित्रण हुआ है ।" उक्त कथन की व्याख्या कीजिए ।

4. 'बनपाखी सुनो' के काव्य-सौष्ठव को पठित कविताओं के आधार पर निरूपित कीजिए ।

5. 'संशय की एक रात' की कथावस्तु संक्षेप में लिखते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

6. 'संशय की एक रात' के राम के चरित्र की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

7. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) नरेश मेहता की भाषा

(ख) 'संशय की एक रात' के विभीषण ।

8. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(च) 'आज तो बीमार सभी
बेहोश सभी,
सबके दिमागों में भरा
क्लोरोफार्म की महक की तरह तेज
यह अँधेरा, वो अँधेरा·····
वो अँधेरा····· ।

अथवा

'राजपथ रथ के लिए
पगवाट है पग के लिए
सब मार्ग की अपनी दिशा
अपने क्षितिज
हम क्या करें ?

(छ) 'आज्ञा करें राम
देखें फिर पौरुष इस बंधु का ।

दूसरी बार होगा

सागर का मंथन अब

यदि यह बाधा है सिंधु

अगस्त्य के आचमन सा

सोखेंगे

अथवा

'मैं भी युद्ध की अनिवार्यता को मानता हूँ

किंतु

अपने राष्ट्र के प्रति

क्या यही कर्तव्य है मेरा

उस पर हो रहे

इस आक्रमण में 'साथ दूँ ?'

(उ) विशेष विधा : हिंदी उपन्यास

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 60**

पाठ्य-पुस्तकें : (1) गोदान—प्रेमचंद

(2) मैला आँचल—फणीश्वरनाथ 'रेणु'

(3) अपने-अपने अजनबी—अज्ञेय

(4) त्यागपत्र—जैनेंद्र कुमार ।

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. उपन्यास की विशेषताओं को लिखते हुए उपन्यास और कहानी का अंतर स्पष्ट कीजिए ।

2. साठोत्तरी उपन्यासों के विकासक्रम की जानकारी देते हुए उनकी विशेषताओं का परिचय दीजिए ।

3. हिंदी उपन्यासों की जासूसी और तिलस्मी प्रवृत्तियों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

4. उपन्यासों की वर्णनात्मक और आत्मकथात्मक शैली पर प्रकाश डालिए ।

5. "प्रेमचंद ने हिंदी उपन्यास में सामाजिक समस्याएँ उठाकर उनके उचित समाधान भी प्रस्तुत किए हैं ।" 'गोदान' के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

6. " 'मैला-आंचल' की भाषा अंचल विशेष की संपूर्ण विशेषताओं का चित्रण करने में पूर्णतः सक्षम है ।" विवेचन कीजिए ।

7. " 'अपने-अपने अजनबी' उपन्यास का मुख्य विषय मृत्युबोध एवं मृत्यु से साक्षात्कार है ।" चर्चा कीजिए ।

8. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) प्रेमचंद-पूर्व उपन्यासों की विशेषताएँ;

(ख) 'त्यागपत्र' में वर्णित नारी-समस्या ।

(ऊ) विशेष विधा : हिंदी नाटक और रंगमंच

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 60**

पाठ्य-पुस्तकें : (1) भारत दुर्दशा—भारतेंदु हरिश्चंद्र

(2) अजातशत्रु—जयशंकर प्रसाद

(3) कोणार्क—जगदीशचंद्र माथुर ।

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. नाटक का स्वरूप स्पष्ट करते हुए महाकाव्य के साथ उसकी तुलना कीजिए ।

2. नाटक की विशेषताएँ बताकर नाट्य-विषयक भारतीय दृष्टि का परिचय दीजिए ।

3. नाटक की कथावस्तु और चरित्र-चित्रण का विवेचन कीजिए ।

4. विभिन्न परिभाषाओं के आधार पर एकांकी का स्वरूप विशद कीजिए ।

5. 'भारत-दुर्दशा' की विषयवस्तु का विवेचन कीजिए ।

6. 'अजातशत्रु' की मंचीयता और उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए ।

7. नाटक के तत्वों के आधार पर 'कोणार्क' की समीक्षा कीजिए ।

8. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) नाटक और रंगमंच का अंत:संबंध

(ख) 'अजातशत्रु' नाटक के नारी-पात्र ।

(ए) अन्य : प्रयोजनमूलक हिंदी

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 60**

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. हिंदी भाषा की व्यावसायिक तथा विज्ञापन विषयक प्रयुक्तियों का विवेचन कीजिए ।

2. राजभाषा हिंदी का ऐतिहासिक स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी सांविधानिक स्थिति की जानकारी दीजिए ।

3. कार्यालयीन हिंदी के संरचनात्मक स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।

4. जनसंचार माध्यमों के भेदों पर प्रकाश डालिए ।

5. दृक्-श्राव्य माध्यमों के प्रकारों का विवेचन कीजिए ।

6. हिंदी पत्रकारिता के उद्भव और विकास का परिचय दीजिए ।

7. पत्रकारिता के विभिन्न प्रकारों की जानकारी दीजिए ।

8. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) प्रयुक्ति की संकल्पना

   (ख) संपर्क भाषा और अंतर्राष्ट्रीय भाषा ।

Total No. of Questions—4] [Total No. of Printed Pages—2

[3602]-15

M.A. (Part II) (Term-End) EXAMINATION, 2009

हिंदी

प्रश्नपत्र 5 : सामान्य स्तर

(आधुनिक काव्य)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 60**

पाठ्य-पुस्तकें : (1) कामायनी—जयशंकर प्रसाद

(2) मुक्ताभ—सुमित्रानंदन पंत ।

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. "महाकाव्य के नायक के रूप में मनु को प्रस्तुत करने में प्रसादजी सफल हुए हैं ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

'कामायनी' के रूपकत्व पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

2. " 'मुक्ताभ' की कविताओं में छायावादी चेतना परिलक्षित होती है"—विवेचन कीजिए ।

अथवा

"पंतजी प्रकृति के शब्दचित्र अंकित करने में बहुत कुशल हैं"—पठित कविताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'कामायनी' की नायिका

(ख) 'कामायनी' में अलंकार योजना

(ग) पंत काव्य में प्रगतिवाद की विशेषताएँ

(घ) पंत काव्य का अभिव्यक्ति पक्ष ।

P.T.O.

4. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) "मौन ! नाश ! विध्वंस ! अँधेरा !
शून्य बना जो प्रकट अभाव,
वही सत्य है, अरी अमरते !
तुझको ! यहाँ कहाँ अब ठाँव ।"

अथवा

"तुम भूल गये पुरुषत्व-मोह में
कुछ सत्ता है नारी की,
समरसता है संबंध बनी
अधिकार और अधिकारी की ।"

(ख) "तीस कोटि संतान नग्न तन,
अर्ध क्षुधित, शोषित, निरस्त्र जन,
मूढ़, असभ्य, अशिक्षित, निर्धन,
नत मस्तक
तरु तल निवासिनी !"

अथवा

"मैं जन्म मरण के द्वारों से बाहर कर
मानव को उसका अमरासन दे जाता,
मैं दिव्य चेतना का संदेश सुनाता,
स्वाधीन भूमि का स्वर्ण जागरण गाता !"

Total No. of Questions—8] [Total No. of Printed Pages—2

[3602]-16

M.A. (Part II) (Term-End) EXAMINATION, 2009

हिंदी

प्रश्नपत्र 6 : विशेष स्तर

(भाषा-विज्ञान और हिंदी भाषा)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 60**

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. भाषा-विज्ञान की कतिपय परिभाषाओं का उल्लेख करते हुए भाषा-विज्ञान के स्वरूप एवं व्याप्ति पर प्रकाश डालिए ।

2. स्थान और प्रयत्न के आधार पर व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण कीजिए ।

3. भाषा-विज्ञान के अध्ययन की विविध दिशाओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

4. रूपिम की संकल्पना स्पष्ट करते हुए उसके भेदों पर प्रकाश डालिए ।

5. वाक्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए अभिहितान्वयवाद तथा अन्विताभिधानवाद का विवेचन कीजिए ।

6. शब्द और अर्थ के संबंध को स्पष्ट कर पर्यायता एवं विलोमता पर प्रकाश डालिए ।

7. साहित्य के अध्ययन में भाषा-विज्ञान के अंगों की उपयोगिता विशद कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भाषा-व्यवस्था और भाषा-व्यवहार

(ख) कोशविज्ञान एवं व्युत्पत्ति विज्ञान

(ग) ध्वनिगुण

(घ) निकटस्थ अवयव ।

Total No. of Questions—4] [Total No. of Printed Pages—3

[3602]-17

M.A. (Part II) (Term-End) EXAMINATION, 2009

हिंदी

प्रश्नपत्र 7 : विशेष स्तर

(हिंदी साहित्य का इतिहास)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 60**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. हिंदी के आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों का सम्यक् विवेचन कीजिए । [15]

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) डिंगल और पिंगल

(ख) नाथ साहित्य का परवर्ती साहित्य पर प्रभाव

(ग) आल्हाखंड ।

2. रामभक्ति शाखा का परिचय देते हुए उसमें गोस्वामी तुलसीदास का स्थान निर्धारित कीजिए । [15]

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भ्रमरगीत

(ख) कबीर की भाषा

(ग) नीतिकाव्य और रहीम ।

3. 'रीतिकालीन साहित्य परिस्थितियों की उपज है ।' पक्ष-विपक्ष में विविध मत प्रस्तुत करते हुए अपना मत व्यक्त कीजिए । [15]

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) रीतिकालीन शृंगारेतर साहित्य

(ख) रीतिमुक्त साहित्य

(ग) बिहारी की बहुज्ञता ।

4. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [10]

(1) हिंदी साहित्य के आरम्भ के विषय में किन्हीं **दो** मतों को प्रस्तुत कीजिए ।

(2) वीरगाथा नामकरण के क्या आधार हैं ?

(3) अष्टछाप के कवियों के नाम लिखिए ।

(4) निर्गुण भक्ति को ज्ञानमार्ग क्यों कहा गया है ?

(5) आचार्य कवि किसे कहा जाता है ?

(6) घनानंद को स्वच्छंद कवि क्यों कहा जाता है ?

(आ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए : [5]

(1) 'मिश्रबंधु विनोद' के रचयिता का नाम बताइये ।

(2) 'पद्मावत' किस भाषा में लिखा गया है ?

(3) जायसी के रहस्यवाद की कोई **दो** विशेषताएँ लिखिए ।

(4) बिहारी ने शृंगार के किन **दो** पक्षों का वर्णन किया है ?

(5) 'पद्माकर' की **दो** रचनाओं के नाम लिखिए ।

Total No. of Questions—8+8+8+8+8+8+8] [Total No. of Printed Pages—8+1

[3602]-18

M.A. (Part II) (Term-End) EXAMINATION, 2009

हिन्दी

प्रश्नपत्र 8 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 60**

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(क) आधुनिक हिंदी आलोचना

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. आलोचना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए ।

2. आलोचना की प्रक्रियागत विशेषताओं को समझाइए ।

3. आलोचक के गुणों पर प्रकाश डालिए ।

4. अनुसंधान का स्वरूप समझाते हुए आलोचना से इसकी भिन्नता को स्पष्ट कीजिए ।

5. आलोचना के विविध प्रकारों का उल्लेख करते हुए किन्हीं **तीन** प्रकारों का विस्तार से परिचय दीजिए ।

6. हिंदी आलोचना के विकास में आचार्य रामचंद्र शुक्ल के योगदान की चर्चा कीजिए ।

7. "आलोचना सर्जनशील साहित्य के लिए मार्गदर्शक एवं उपादेय है ।" स्पष्ट कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आलोचना का स्वरूप

(ख) प्रगतिवादी आलोचना

(ग) व्याख्यात्मक आलोचना की उपादेयता

(घ) तुलनात्मक आलोचना ।

(ख) शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 60**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. शैलीविज्ञान का उद्‌भव और विकास स्पष्ट करते हुए शैलीविज्ञान और आलोचना के संबंध पर प्रकाश डालिए ।

2. शैलीविज्ञान के स्वरूप का परिचय देते हुए शैली के तत्वों को लिखिए ।

3. शैली के महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में चयन का स्वरूप सोदाहरण समझाइए ।

4. शैलीविज्ञान का मनोविज्ञान से संबंध स्पष्ट कीजिए ।

5. शैलीविज्ञान का इतिहास विस्तार से विशद कीजिए ।

6. शैलीविज्ञान की समीक्षा करते हुए काव्य-भाषा की दृष्टि से शैली का महत्व स्पष्ट कीजिए ।

7. साहित्य की शैली-वैज्ञानिक समीक्षा प्रणाली का परिचय दीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) शैलीविज्ञान का अध्ययन क्षेत्र

   (ख) शैली **बनाम** रीति

   (ग) शैली की दृष्टि से काव्य-भाषा की विशेषताएँ ।

(ग) अनुवाद विज्ञान

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 60**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. अनुवाद के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए ।

2. "अनुवाद अंशतः कला, विज्ञान एवं शिल्प है ।" विस्तार से स्पष्ट कीजिए ।

3. अनुवाद प्रक्रिया को संक्षेप में समझाते हुए बताइए कि अनुवादक को किन बातों की सतर्कता बरतनी चाहिए ।

4. अनुवाद प्रक्रिया में नाट्यानुवाद एवं कथानुवाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

5. अनुवाद के सहायक साधनों का परिचय दीजिए ।

6. रचनात्मक साहित्य के अनुवाद की समस्याओं और सीमाओं को स्पष्ट कीजिए ।

7. अनुवाद कार्य में कोश ग्रंथों एवं पारिभाषिक शब्दावली के महत्व को स्पष्ट कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) अर्थांतरण एवं अर्थयोग

   (ख) अनुवाद का सर्जनात्मक पक्ष

   (ग) अनुवाद और वाक्य विज्ञान

   (घ) कथानुवाद ।

(घ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 60**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. जनसंचार माध्यम का स्वरूप स्पष्ट करते हुए इसके विभिन्न कार्यों पर प्रकाश डालिए ।

2. सूचना समाज की अवधारणा पर प्रकाश डालिए ।

3. जनसंचार माध्यम का उद्देश्य बताते हुए इलेक्ट्रॉनिक अंतर्ग्रंथन का परिचय दीजिए ।

4. जनसंचार माध्यमों के कारण हिंदी साहित्य में हुए परिवर्तन को स्पष्ट कीजिए ।

5. जनसंचार के विविध माध्यमों का सामान्य परिचय दीजिए ।

6. 'जनसंचार माध्यम और हिंदी' विषय पर प्रकाश डालिए ।

7. जनसंचार माध्यमों के लिए लिखे गए साहित्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) लेखन भाषा

   (ख) सूचना संप्रेषण

   (ग) वाचिक भाषा

   (घ) लोकतांत्रिक संचार ।

(च) अभिजात भारतीय साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 60**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके अध्ययन की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए ।

2. "भारतीय साहित्य के अध्ययन में भाषा एवं लिपि की भिन्नता प्रमुख समस्याएँ हैं ।" पठित रचनाओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

3. "प्रादेशिकता भारतीयता का अविभाज्य अंग है ।" विवेचन कीजिए ।

4. हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति किस प्रकार हुई है ? स्पष्ट कीजिए ।

5. "अनुवाद के कारण भारतीय साहित्य का आस्वादन संभव हुआ है ।" भारतीय साहित्य के संदर्भ में कथन की चर्चा कीजिए ।

6. पठित किसी एक रचना में व्यक्त भारतीयता का समाजशास्त्रीय दृष्टि से मूल्यांकन कीजिए ।

7. 'हयवदन' की प्रतीकात्मकता विशद कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भारतीय साहित्य की व्याप्ति

(ख) भारतीयता के विविध आयाम

(ग) हिंदी साहित्य और भारतीय जीवनमूल्य

(घ) असंगत नाटक का कथ्य ।

(छ) लोकसाहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 60**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. 'लोक' शब्द का स्वरूप स्पष्ट करते हुए लोकसाहित्य के क्षेत्र को स्पष्ट कीजिए।

2. "लोकवार्ता लोकसाहित्य का ही अंग है ।" इस कथन को स्पष्ट करते हुए लोकवार्ता विश्लेषण के आधार बताइए ।

3. लोकसाहित्य के विविधांगी महत्व को स्पष्ट कीजिए ।

4. लोकसाहित्य का भूगोल तथा पुरातत्व के साथ संबंध स्पष्ट कीजिए ।

5. लोकसाहित्य के संकलन की आवश्यकता को प्रतिपादित करते हुए उसमें आने वाले बाधक तत्वों को स्पष्ट कीजिए ।

6. लोकगीतों का अन्य गीतों से अंतर स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख **तीन** प्रकारों का परिचय दीजिए ।

7. होली, सावन गीत और लावनी की विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) लोकगीतों के निर्माणतत्व
   (ख) लोकसाहित्य का नैतिक दृष्टि से महत्व
   (ग) गौनागीत
   (घ) सोहरगीत ।

(ज) पत्रकारिता प्रशिक्षण

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 60**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. पत्रकारिता की स्वरूपगत विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

2. समाचार लेखन के विविध आयामों का निर्देश करते हुए 'शीर्षक लेखन कौशल्य' पर प्रकाश डालिए ।

3. "समाचार संकलन और लेखन, पत्रकारिता के दो मूल तत्व हैं ।" कथन का स्पष्टीकरण कीजिए ।

4. संपादन कला-कौशल्य के मूल सिद्धांतों को विशद कीजिए ।

5. समाचार-पत्र के विभिन्न स्रोतों की जानकारी दीजिए ।

6. समाचार-पत्र में दृश्य सामग्री की व्यवस्था का परिचय दीजिए ।

7. संवाददाता के कार्य और तदनुकूल उसकी अपेक्षित अर्हताओं का विवेचन कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) पत्रकारिता का उद्भव

(ख) पत्रकार भारतेंदु हरिश्चंद्र

(ग) समाचार-पत्र की प्रस्तुति

(घ) समाचार के विभिन्न स्रोत ।

Total No. of Questions—5] [Total No. of Printed Pages—4

[3602]-201

M.A. (Part I) (Second Semester) EXAMINATION, 2009

MARATHI (मराठी)

अभ्यासपत्रिका क्रमांक 1

(व्यावहारिक व उपयोजित मराठी भाग 2)

(JUNE 2008 PATTERN)

वेळ : तीन तास **एकूण गुण : 80**

सूचना :— (*i*) **सर्व** प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहेत.

(*ii*) **सर्व** प्रश्नांना समान गुण आहेत.

(*iii*) **सर्व** उप-प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. (अ) भाषांतराचे स्वरूप स्पष्ट करून अनुवाद, भावानुवाद आणि रूपांतर यातील साम्य-भेद सांगा.

किंवा

खालील इंग्रजी उताऱ्याचे मराठीत भाषांतर करा :

Buddha reminded every person to avoid three attitudes : a sentimental, a militant and one indulgent in error (Raga, Dvesha, Moha). Thus a Bodhisatva was nobodys comrade. Buddha's concern is for the whole world. He is not satisfied with one single soul's 'Moksha'. Sartre says that he rejoices in an Absolute "without cause, without reason, without goal, without any past or future" other than his own permanence gratuitous, magnificent.

P.T.O.

(ब) भाषांतर म्हणजे काय ते सांगून मराठीत भाषांतराची आवश्यकता व वाढते महत्व विशद करा.

किंवा

खाली दिलेल्या हिंदी उताऱ्याचे मराठीत भाषांतर करा :

मनुष्य ने जबसे जन्म लिया है, आँख खोलकर बाहरी दुनिया को ही देखा है । सदैव बहिर्मुखी ही बहुर्मुखी । कभी अन्तर्मुखी होकर अपने को देखा ही नहीं । यह सारा शरीर-प्रपंच जिसे, 'मैं-मैं' 'मेरा-मेरा' कहे जा रहा हूँ, यह सारा मानसिक प्रपंच जिसे मैं-मैं, मेरा-मेरा कहे जा रहा हूँ – यह सब क्या है ? अपने शरीर के बारे में, मन के बारे में बौद्धिक स्तर पर कुछ भी ज्ञान नहीं है । अनुभूतियों के द्वारा यह भी नहीं जाना कि शरीर और चित्त के परे भी कोई अवस्था है । सत्य की खोज में निकलनेवाला साधक किसी कल्पना को स्थान नहीं देगा । यह जो हमने सांस का सहारा लिया और इसके साथ किसी कल्पना को जोड़ने नहीं दिया, इसका मुख्य कारण यही है कि हम सच्चाई को जान रहे हैं – मैं सांस ले रहा हूँ । भले ही वह एक मोटा सत्य है । पर है सत्य । कोई कल्पना नहीं ।

2. (अ) कार्यक्रम आणि माध्यमानुसार निवेदनाचे स्वरूप कसे बदलते, सोदाहरण सांगा.

किंवा

'साहित्यरंग' या संस्थेतर्फे मराठी दिनाचा कार्यक्रम आयोजित करावयाचा आहे, त्याचे स्वरूप, मुख्य पाहुणे, सूत्रसंचालन या संदर्भात कार्यक्रम पत्रिका तयार करा.

(ब) प्रभावी निवेदकाजवळ विषयाचे केवळ आकलन असून भागत नाही तर कार्यक्रम रंजकतेने खुलवत नेण्याचे उत्स्फूर्त कौशल्य असावे लागते, सोदाहरण स्पष्ट करा.

किंवा

तुमच्या महाविद्यालयाचा सुवर्णमहोत्सवी समारंभ कुलपती, कुलगुरु, शिक्षणमंत्री अशा मान्यवरांच्या उपस्थितीत संपन्न होत आहे, या सोहळ्याचे सूत्रसंचालन तुम्हाला करावयाचे आहे, त्यासाठी आवश्यक अशी संहिता लिहून दाखवा.

3. (अ) जनसंपर्क म्हणजे काय हे सांगून विविध क्षेत्रात त्याची गरज कशी भासते, हे सोदाहरण स्पष्ट करा.

किंवा

सहकारी बँकेने ग्राहक सप्ताह साजरा करावयाचे ठरविले आहे, या दृष्टीने जनसंपर्क अधिकारी या नात्याने अंतर्गत व बाह्य जनसमूहांशी तुम्ही कसा संपर्क साधाल ?

(ब) जनसंपर्क अधिकाऱ्याकडे कोणती गुण वैशिष्ट्ये असणे गरजेचे आहे, त्याचा उपयोग कसा केला जातो ? एखादे उदाहरण देऊन स्पष्ट करा.

किंवा

शैक्षणिक संस्थेची प्रतिमानिर्मिती करण्यासाठी जनसंपर्क अधिकारी या भूमिकेतून काही उपक्रमांची चर्चा करा.

4. (अ) नभोवाणी किंवा दूरचित्रवाणी वाहिनी वरील तुमच्या आवडत्या निवेदकाची भाषा, त्याचा विषयाचा अभ्यास यावर भाष्य करा.

किंवा

राष्ट्रीय सेवा योजनेतर्फे आयोजित हिवाळी शिबिराच्या समारोप कार्यक्रमाचा आराखडा तयार करा.

(ब) जनसंपर्क म्हणजे केलेल्या कामाची माहिती देणे व त्यातून प्रशंसा मिळवणे, हे काम करण्यासाठी आवश्यक भाषिक कौशल्ये सांगा.

किंवा

वार्षिक पारितोषिक वितरण समारंभात प्राचार्यांच्या भाषणाची संहिता तयार करा.

5. कोणत्याही **दोहों**वर टीपा लिहा :

(1) भाषांतरातील अडचणी;

(2) निवेदकाची देहबोली;

(3) शासनाचा जनसंपर्क;

(4) प्रसिद्धीपत्रक.

Total No. of Questions—5] [Total No. of Printed Pages—2

[3602]-202

M.A. (Part I) (Second Semester) EXAMINATION, 2009

MARATHI (मराठी)

अभ्यासपत्रिका क्रमांक 2

अर्वाचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (इ. स. 1920 ते 1960)

(JUNE 2008 PATTERN)

वेळ : तीन तास **एकूण गुण : 80**

सूचना :— (*i*) **सर्व** प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.

(*ii*) **सर्व** प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. 1920 नंतरच्या निबंधात झालेल्या परिवर्तनाचा आढावा घ्या.

किंवा

1945 ते 1960 या कालखंडातील कथावाङ्मयाचा परिचय करून द्या.

2. नवकाव्याची वैशिष्ट्ये सांगून बा. सी. मर्ढेकरांच्या कवितेचे मूल्यमापन करा.

किंवा

1920 नंतरच्या नाट्यवाङ्मयाची वैशिष्ट्ये सांगून प्रमुख नाटककारांचा थोडक्यात परिचय करून द्या.

3. मराठीतील प्रादेशिक कादंबऱ्याचे मूल्यमापन करा.

किंवा

1920 नंतरच्या विनोदी वाङ्मयाचे स्वरूप स्पष्ट करा.

4. 1920 नंतरच्या आत्मचरित्राचा आढावा घेऊन 'स्मृतिचित्रे' या आत्मचरित्राचे वेगळेपण सांगा.

किंवा

दिवाकरांच्या नाट्यछटांचा परिचय करून द्या.

P.T.O.

5. कोणत्याही **दोहों**वर टीपा लिहा :

(1) वि. स. खांडेकर

(2) माझी जन्मठेप

(3) गंगाधर गाडगीळांची कथा

(4) बनगरवाडी.

Total No. of Questions—5] [Total No. of Printed Pages—2

[3602]-203

M.A. (Part I) (Second Semester) EXAMINATION, 2009

MARATHI (मराठी)

अभ्यासपत्रिका क्रमांक 3

भाषाविज्ञान : वर्णनात्मक आणि सामाजिक

(सामाजिक भाषाविज्ञान)

(JUNE 2008 PATTERN)

वेळ : तीन तास **एकूण गुण : 80**

सूचना :— (*i*) **सर्व** प्रश्न आवश्यक आहेत.

(*ii*) **सर्व** प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. "भाषेचा सामाजिक संदर्भात विचार करणारी एक स्वतंत्र अभ्यासशाखा म्हणजे समाज भाषाविज्ञान होय." या विधानाचा परामर्श घ्या.

किंवा

"समाज, भाषा आणि संस्कृती हे तिनही घटक परस्परानुवर्ती आहेत." स्पष्ट करा.

2. प्रमाणभाषा आणि बोलीभाषा यातील साम्यभेद स्पष्ट करून बोलींच्या निर्मितीची कारणे सांगा.

किंवा

भाषा, बोली आणि समाज यांचे परस्परसंबंध स्पष्ट करा.

3. "भाषा आणि आर्थिक वर्गव्यवस्था यांचा परस्परानुबंध असतो." साधार लिहा.

किंवा

समाजभाषेचा वापर हा लिंगभेदानुवर्ती हे उदाहरणासह सिद्ध करा.

P.T.O.

4. पिजिन आणि क्रिऑल भाषा कशा निर्माण होतात ते लिहा.

किंवा

समाजांतर्गत नवव्यवस्थांचा भाषेच्या बदलांशी कोणता संबंध असतो ते सांगा.

5. कोणत्याही **दोहों**वर टीपा लिहा :

(1) भाषिक सापेक्षतावाद

(2) भाषा व संस्कृती

(3) समाजसंकेत आणि भाषा

(4) परभाषा संपर्क.

Total No. of Questions—**5+5+5+5+5**] [Total No. of Printed Pages—**8+2**

[3602]-204

M.A. (Part I) (Second Semester) EXAMINATION, 2009

MARATHI (मराठी)

अभ्यासपत्रिका क्रमांक-4 (ऐच्छिक)

(JUNE 2008 PATTERN)

विशेष सूचना—खालील **पाच** अभ्यासपत्रिकांपैकी कोणतीही **एक** प्रश्नपत्रिका सोडवावी.

(1) दलित साहित्य

किंवा

(2) मराठी वाङ्मयाची सांस्कृतिक पार्श्वभूमी (1818 ते 1960)

किंवा

(3) तौलनिक साहित्याभ्यास व भाषांतरमीमांसा

किंवा

(4) वाङ्मयेतिहास लेखनविद्या (भाग-2)

किंवा

(5) व्याकरण

(1) दलित साहित्य

वेळ : तीन तास **एकूण गुण : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) **सर्व** प्रश्न आवश्यक आहेत.

(*ii*) **सर्व** प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. "मराठी साहित्यातील दलितेतर साहित्यिकांनी केलेले दलितांचे चित्रण क्षीण आहे." विवेचन करा.

P.T.O.

किंवा

"दलित साहित्य हे स्वत:च्या शोषकाचा शोध घेत असतांना ते मानवी शोषणाचाच निचरा करण्याचा प्रयत्न करते." स्पष्ट करा.

2. "दलित साहित्यातील विद्रोहाने हिंदू संस्कृतीला जे आव्हान दिले ती एक काळाचीच निकड होती." परामर्श घ्या.

किंवा

दलित साहित्याच्या बाटचालीतील प्रमुख टप्प्यांचा परामर्श घ्या.

3. दलित कवितेच्या शैलीची प्रमुख वैशिष्ट्ये स्पष्ट करा.

किंवा

"दलित कविता आणि आत्मकथने यांच्या तुलनेने दलित कथांमधील अभिव्यक्ती कमी प्रभावी ठरली." परामर्श घ्या.

4. दलित साहित्याचे मूल्यमापन हे मराठीतील प्रस्थापित साहित्यविषयक निकषांवर होऊ शकते काय ? विवेचन करा.

किंवा

दलित साहित्याने दिलेले भाषिक योगदान स्पष्ट करा.

5. पुढीलपैकी कोणत्याही **दोहोंवर** टीपा लिहा :

(1) 'अस्मितादर्श'ने दलित साहित्याला दिलेले योगदान

(2) "जेंव्हा मी जात चोरली होती"

(3) मार्क्सवादी विचार व दलित साहित्य

(4) दलित साहित्यातील वास्तववादाचे स्वरूप.

(2) मराठी वाङ्मयाची सांस्कृतिक पार्श्वभूमी (1818 ते 1960)

वेळ : तीन तास **एकूण गुण : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) **सर्व** प्रश्न आवश्यक आहेत.

(*ii*) **सर्व** प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. एकोणिसाव्या शतकातील महाराष्ट्रातील प्रबोधनाचा मराठी वाङ्मयावर कोणता परिणाम झाला ते स्पष्ट करा.

किंवा

'ख्रिस्ती धर्मप्रचार आणि नवीन शिक्षणपद्धती यांच्या प्रेरणेतून अव्वल इंग्रजीतील मराठी साहित्याला दिशा मिळाली चर्चा करा.

2. " 'देशभक्ती आणि स्वातंत्र्याकांक्षा' याच टिळकयुगातील वाङ्मयाच्या मुख्य प्रेरणा होत." चर्चा करा.

किंवा

मार्क्सवाद व गांधीवाद यापासून मराठी वाङ्मयाने घेतलेल्या प्रेरणांचे स्वरूप स्पष्ट करा.

3. 'ज्ञानोदय', 'त्रैमासिक ज्ञानदर्शन', 'मराठी ज्ञानप्रसारक', 'विविधज्ञान विस्तार' यांनी केलेल्या सांस्कृतिक व वाङ्मयीन कार्याचे महत्त्व स्पष्ट करा.

किंवा

'नव्या स्त्री'चे दर्शन वा.म. जोशी, मामा वरेरकर, विभावरी शिरूरकर व आचार्य अत्रे यांच्या साहित्यातून कसे घडते ते स्पष्ट करा.

4. '1920 ते 1960 हा कालखंड अनेक वाङ्मयीन वादांनी गजबजलेला असला तरी 'कला-जीवनवाद' हाच त्यातील मुख्य वाद होय.' या मताचे परीक्षण करा.

किंवा

मराठी साहित्यास नवसाहित्याने दिलेल्या योगदानाची चर्चा करा.

5. कोणत्याही **दोहों**वर टिपा लिहा :

(1) दोन महायुद्धे व मराठी वाङ्मय

(2) 1930 नंतरच्या मराठी नाटकातून व्यक्त झालेल्या सामाजिक समस्या

(3) डॉ. आंबेडकरांचे धर्मांतर

(4) संयुक्त महाराष्ट्र व आचार्य अत्रे.

(3) तौलनिक साहित्याभ्यास व भाषांतरमीमांसा

वेळ : तीन तास **एकूण गुण : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) **सर्व** प्रश्न आवश्यक आहेत.

(*ii*) **सर्व** प्रश्नांना समान गुण आहेत.

(*iii*) **सर्व** उपप्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. भाषांतरमीमांसा ही संकल्पना साधार स्पष्ट करा.

किंवा

माकबसन यांच्या भाषांतरमीमांसेतील कार्याचा आढावा घ्या.

2. "भाषांतर हे अन्य भाषिक संस्कृती व समाजाचा परिचय करवून देते." या विधानाचा परामर्श घ्या.

किंवा

ललित साहित्यकृतीच्या भाषांतराची गरज आणि मर्यादा स्पष्ट करा.

3. " 'तुंबाडचे खोत' मधील व्यक्तिरेखा या अस्सल नमुदेदार व्यक्तिरेखा आहेत." चर्चा करा.

किंवा

'तुंबाडचे खोत' या कादंबरीतील प्रादेशिकता कोणकोणत्या घटकांनी नियत झाली आहे ते सोदाहरण सांगा.

4. 'हवेली वेव्हरले'ची मधील आशयसूत्रे स्पष्ट करा.

किंवा

'हवेली वेव्हरले'ची वाङ्मयीन मूल्यमापन करा.

5. कोणत्याही **दोहों**वर टिपा लिहा :

(अ) परिभाषेचा विकास

(आ) भाषांतर प्रक्रियेतील समरूपता

(इ) 'तुंबाडचे खोत' मधील पुरुषव्यक्तिरेखा

(ई) 'हवेली वेव्हरले'ची मधील वातावरण.

(4) वाङ्मयेतिहास लेखनविद्या (भाग-2)

वेळ : तीन तास **एकूण गुण : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) **सर्व** प्रश्न आवश्यक आहेत.

(*ii*) **सर्व** प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. भारतीय वाङ्मयेतिहासाची संकल्पना विशद करून स्वरूप स्पष्ट करा.

किंवा

मराठी वाङ्मयाचा इतिहास अन्य भारतीय भाषांमध्ये कोणत्यादृष्टीने केला जातो, ते सांगा.

2. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयेतिहासाचे स्वरूप सांगून त्यातील समस्यांचे वर्णन करा.

किंवा

आधुनिक मराठी वाङ्मयेतिहासाचे स्वरूप सांगून त्यातील समस्या शोधा.

3. आरंभकाळात वि. ल. भावे या वाङ्मयेतिहासकारांनी केलेले कार्य सोदाहरण सांगा.

किंवा

1900 ते 1950 या कालखंडात मराठी वाङ्मयाच्या इतिहास लेखनाचा आलेख तुमच्या शब्दात साधार स्पष्ट करा.

4. मराठीतील वाङ्मयेतिहास विचार, कल्पना घटितांना प्राधान्य देऊन लिहिला गेलेला आहे का, स्पष्टीकरण द्या.

किंवा

मराठी वाङ्मयाचा इतिहास वाङ्मयेतिहासकारांच्या परिश्रमपूर्वक कार्यावर कसा आधारलेला आहे, हे साधार सांगा.

5. कोणत्याही **दोहों**वर टिपा लिहा :

(1) श्री म. माटे यांची वाङ्मयेतिहासाची योजना

(2) वाङ्मयेतिहासातील समस्या

(3) भारतीय वाङ्मयेतिहासलेखनाची पाच आधारतत्त्वे

(4) महाराष्ट्र साहित्य परिषदेचा प्रकल्प.

(5) व्याकरण

वेळ : तीन तास **एकूण गुण : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) **सर्व** प्रश्न आवश्यक आहेत.

(*ii*) **सर्व** प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. व्याकरणशास्त्राचे स्वरूप स्पष्ट करून त्याच्या प्रयोजनाची चर्चा करा.

किंवा

व्याकरण म्हणजे काय ते सांगून व्याकरण व भाषा यांचा परस्परसंबंध स्पष्ट करा.

2. व्याकरणाचे आदेशात्मक स्वरूप विशद करा.

किंवा

मराठीत एकूण वर्ण किती व कोणते मानावेत ?

3. शब्द म्हणजे काय ? शब्दांचे वर्गीकरण करताना कोणकोणती तत्वे विचारात घेतली जातात ? त्यानुसार आठ शब्दजाती मानणे कितपत संयुक्तिक आहे ?

किंवा

विभक्तीविषयीच्या वादाचा परामर्श घ्या.

4. मोरो केशव दामले यांची आख्यानव्यवस्था स्पष्ट करा.

किंवा

मराठीतील व्याकरण विषयक लेखनाचा परामर्श घ्या.

5. कोणत्याही **दोहों**वर टिपा लिहा :

(*i*) डॉ. विल्यम केटीचे व्याकरण

(*ii*) मराठीची व्यंजनव्यवस्था

(*iii*) लिंगनिश्चितीच्या दिशा

(*iv*) उद्देश्य व विधेय.

Total No. of Questions—5] [Total No. of Printed Pages—2

[3602]-211

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2009

हिंदी

प्रश्नपत्र 5 : सामान्य स्तर

(आधुनिक हिंदी नाटक तथा अन्य विधाएँ)

(JUNE 2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) कोर्टमार्शल : स्वदेश दीपक

(*ii*) हजारीप्रसाद द्विवेदी के चुने हुए निबंध : सं. मुकुंद द्विवेदी

(*iii*) यात्रा साहित्य : सं.—डॉ. तुकाराम पाटिल

डॉ. नीला बोर्वणकर

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. कोर्टमार्शल नाटक की मूल समस्या परिस्थितिजन्य है। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

रंगमंचीयता की दृष्टि से कोर्टमार्शल की सफलता-असफलता की चर्चा कीजिए।

2. हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंधों में उनके सहज और सरल जीवन की गहरी छाप है। पठित निबंधों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'नाखून क्यों बढ़ते हैं' निबंध में चित्रित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

3. "विषय की व्याप्ति तथा अध्ययन में गहराई के कारण आधुनिक युग का यात्रा साहित्य अपने आप में अनूठा रहा है।" स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"'ब्रह्मपुत्र की मोर्चेबंदी' में धर्मवीर भारती ने एक सजग पत्रकार के रूप में युद्ध के रोमांचक अनुभव प्रस्तुत किए हैं।" स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **चार** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'कोर्टमार्शल' नाटक के 'कैप्टन बिकाशराय'

(ख) 'कोर्टमार्शल' नाटक का शीर्षक

(ग) 'देवदारू' के व्यक्तित्व का चित्रण

(घ) 'अशोक के फूल' में व्यक्त परंपरा

(च) 'मानस सरोवर' की मनोरम यात्रा

(छ) 'टेहरी से नेलङ्' में व्यक्त आँचलिकता।

5. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(त) सच केवल उतना ही नहीं होता जितना दिखाई दे। सच का केवल एक हिस्सा हम अपनी आँखों से देखते हैं और उसे पूरा का पूरा सच मानने की गलती कर बैठते हैं।

(थ) सच्चा साहित्य चित्तगत उन्मुक्तता को जन्म देता है। वह सहृदय के चित्त को रूढ़ और निर्जीव संस्कारों से मुक्त करके नये संदर्भ में नयी ग्राहिका शक्ति से सम्पन्न करता है।

(द) अब यायावर फिर दर्शक है। जो गुजर चुका है, वह उसके लिए दृश्य है—उस दृश्य के अन्तर्गत अपने-आप भी। कल रात तक जो एक दुर्घटना थी वह अब उसके लिए एक रोमांचक घटना है। अब नयी पगडण्डी उसके सामने है।

Total No. of Questions—5] [Total No. of Printed Pages—3

[3602]-212

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2009

HINDI (हिंदी)

विशेष स्तर : प्रश्नपत्र 6

मध्ययुगीन हिंदी काव्य

(सूरदास, बिहारी, घनानंद)

(JUNE 2008 PATTERN)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) भ्रमरगीत सार : सूरदास

संपादक—आ. रामचंद्र शुक्ल

(*ii*) रीति काव्यधारा

संपादक—डॉ. रामचंद्र तिवारी, डॉ. रामफेर त्रिपाठी

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. "भ्रमरगीत की गोपियाँ श्रीमद्भागवत और सूर के भक्त-मन का प्रतिनिधित्व करती हैं।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"सूर को ब्रजभाषा का वाल्मीकि कहना सर्वथा उचित है।" सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

2. "बिहारी के दोहों में शृंगार, नीति और भक्ति की त्रिवेणी प्रवाहित है।" सोदाहरण चर्चा कीजिए।

अथवा

बिहारी की अलंकार-योजना का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

3. "घनानंद के काव्य में संयोग-शृंगार का मार्मिक और मनोहारी चित्रण हुआ है।" सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

अथवा

"घनानंद के काव्य में विरोधमूलक उक्तियाँ और लाक्षणिक प्रयोगों की प्रधानता है।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(य) भ्रमरगीत : एक विप्रलंभ काव्य

(र) सूर की काव्य कला

(ल) 'सतसई-परंपरा' में बिहारी का स्थान

(व) रीतिसिद्ध कवि बिहारी

(क्ष) घनानंद का काव्य-सौन्दर्य

(ज्ञ) घनानंद का वियोग वर्णन।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(य) आए जोग सिखावन पाँडे।
परमारथी पुराननि लादे ज्यों बनजारे टाँडे।
हमरी गति पति कमलनयन की जोग सिखें ते राँडे।
कहौ मधुप, कैसे समायेंगे एक म्यान दो खांडे॥
कहु षटपद, कैसे खैयतु है हाथिन के सँग गांडे।
काकी भूख गई बयारि भखि बिना दूध घृत माँडे॥
काहे जो झाला लै मिलवत, कौन चोर तुम डाँडे।
सूरदास तीनों नहिं उपजत धनिया धान कुम्हाँडे॥

(र) मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाईं परैं स्यामु हरित-दुति होइ।
या अनुरागी चित्त की, गति समुझै नहिं कोइ।
ज्यों-ज्यों बूड़ै स्याम रंग, त्यों त्यों उज्जलु होइ॥

(ल) आँखिन आनि रहे लगि आस कि बेस बिलास निहारियै हूँगे।
कानन बीच बसैं भरि प्यास अमीनिधि बैननि पारियै हूँगे।
यौं घनआनँद ठौरहि ठौर सम्हारत है सुसम्हारियै हूँगे।
प्रान धरे मुरझैं उरझैं कि कहूँ कबहूँ हम वारियै हूँगे।

Total No. of Questions—8] [Total No. of Printed Pages—2

[3602]-213

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2009

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 7 : विशेष स्तर

(पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत तथा आलोचना)

(JUNE 2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम को स्पष्ट कीजिए।

2. अनुकरण संबंधी अरस्तू की धारणा का विवेचन कीजिए।

3. उदात्त का स्वरूप स्पष्ट करते हुए काव्य में उदात्तता का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

4. आई. ए. रिचर्डस् के संप्रेषण सिद्धांत का विवेचन कीजिए।

5. टी. एस. इलियट के वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए।

6. प्रतीकवाद को स्पष्ट करते हुए प्रतीकों का वर्गीकरण सोदाहरण लिखिए।

7. आलोचना का स्वरूप स्पष्ट करते हुए इसके उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) विरेचन की नीतिपरक व्याख्या

(ख) प्लेटो के काव्य सिद्धांत

(ग) उत्तर आधुनिकता

(घ) मनोवैज्ञानिक आलोचना।

Total No. of Questions—8+8+8+8] [Total No. of Printed Pages—8

[3602]-214

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2009

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 8 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

विशेष विधा तथा अन्य

(JUNE 2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

(क) हिंदी उपन्यास

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) गोदान : प्रेमचंद

(*ii*) मैला आँचल : फणीश्वरनाथ 'रेणु'

(*iii*) राग दरबारी : श्रीलाल शुक्ल

(*iv*) एक पत्नी के नोट्स : ममता कालिया।

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए अंक समान हैं।

1. "उपन्यास आधुनिक युग का महाकाव्य है।" इस कथन के संदर्भ में उपन्यास के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

2. प्रेमचंदकालीन हिंदी उपन्यास साहित्य का परिचय दीजिए।

P.T.O.

3. हिंदी के मनोवैज्ञानिक उपन्यासों की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

4. " 'गोदान' भारतीय कृषक जीवन की संघर्ष गाथा है।" विवेचन कीजिए।

5. उपन्यास कला की दृष्टि से 'मैला आँचल' का विवेचन कीजिए।

6. देशकाल वातावरण की दृष्टि से 'राग दरबारी' का मूल्यांकन कीजिए।

7. " 'एक पत्नी के नोट्स' में आधुनिक नारी की पीड़ा व्यक्त हुई है।" स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   (*i*) उपन्यास के तत्व

   (*ii*) 'मैला आँचल' की आँचलिकता

   (*iii*) 'राग दरबारी' की भाषा

   (*iv*) 'एक पत्नी के नोट्स' में व्यक्त दाम्पत्य जीवन।

(ख) हिंदी नाटक और रंगमंच

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) अंधेर नगरी—भारतेंदु हरिश्चंद्र

(*ii*) कोणार्क—जगदीशचंद्र माथुर

(*iii*) एक सत्य हरिश्चंद्र—डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए अंक समान हैं।

1. नाटक विषयक भारतीय और पाश्चात्य दृष्टि का परिचय दीजिए।

2. भारतेंदुयुगीन हिंदी नाटक साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

3. हिंदी नाट्य साहित्य में अनूदित नाटकों के योगदान पर प्रकाश डालिए।

4. नाट्य संरचना में कथा-वस्तु का महत्त्व विशद कीजिए।

5. 'अंधेर नगरी' का नाट्य तत्त्वों के आधार पर विवेचन कीजिए।

6. "'कोणार्क' में इतिहास के साथ मानवीय अंत:संघर्षों का भावात्मक एवं यथार्थ अंकन हुआ है।" स्पष्ट कीजिए।

7. कथ्य एवं शिल्प की दृष्टि से 'एक सत्य हरिश्चंद्र' की विवेचना कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) नाटक का स्वरूप

(ख) नाटक का दर्शक

(ग) एकांकी के तत्त्व

(घ) नाटक के संवाद।

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए अंक समान हैं।

1. हिंदी भाषा के विविध रूपों को बताते हुए किन्हीं **दो** रूपों का परिचय दीजिए।

2. हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा रूप का परिचय देते हुए उसकी प्रयुक्तियाँ विशद कीजिए।

3. कार्यालयीन लेखन के रूप में संक्षेपण और पल्लवन का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

4. सरकारी पत्राचार का स्वरूप स्पष्ट करते हुए ज्ञापन का प्रारूप प्रस्तुत कीजिए।

5. जनसंचार के विभिन्न माध्यमों का उल्लेख करते हुए श्रव्य माध्यम का स्वरूप एवं महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

6. संचार माध्यमों में विज्ञापन-लेखन का स्वरूप एवं महत्त्व विशद कीजिए।

7. कम्प्यूटर का सामान्य परिचय देते हुए उसकी रूपरेखा स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) कार्यालयीन हिंदी

(ख) व्यावसायिक पत्र लेखन

(ग) समाचार लेखन

(घ) इंटरनेट।

(घ) दलित साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) दोहरा अभिशाप—कौसल्या बैसंत्री

(*ii*) पहला खत—डॉ. धर्मवीर

(*iii*) आवाजें—मोहनदास नैमिषराय

(*iv*) घुसपैठिए—ओमप्रकाश वाल्मीकि

(*v*) असीम है आसमाँ—डॉ. नरेंद्र जाधव

सूचना :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. दलित साहित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

2. दलित साहित्य की परंपरा का परिचय दीजिए।

3. "दलित साहित्य पर प्राचीन संतों और आधुनिक विचारकों का प्रभाव परिलक्षित होता है।" विवेचन कीजिए।

4. दलित साहित्य की कलात्मकता पर प्रकाश डालिए।

5. 'दोहरा अभिशाप' में व्यक्त नारी-पीड़ा का विवेचन कीजिए।

6. शिल्प की दृष्टि से 'पहला खत' का मूल्यांकन कीजिए।

7. अभिव्यक्ति सौंदर्य की दृष्टि से 'आवाजें' का मूल्यांकन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) दलित साहित्य के प्रेरणा स्रोत—कार्ल मार्क्स

(ख) साहित्य और दलित साहित्य में भेद

(ग) 'दोहरा अभिशाप' की भाषा

(घ) 'असीम है आसमाँ' में व्यक्त रचनाकार का व्यक्तित्व।

Total No. of Questions—5] [Total No. of Printed Pages—2

[3602]-301

M.A. (Part II) (Third Semester) EXAMINATION, 2009

MARATHI (मराठी)

अभ्यासपत्रिका क्रमांक : 5

(प्रसार माध्यमे आणि साहित्य व्यवहार)

(JUNE 2008 PATTERN)

वेळ : तीन तास **एकूण गुण : 80**

सूचना :— (*i*) **सर्व** प्रश्न आवश्यक आहेत.

(*ii*) **सर्व** प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. मुद्रण माध्यमातील भाषेचे स्वरूप सोदाहरण लिहा.

किंवा

वृतसंस्कृती म्हणजे काय ते सांगून त्यातील घटकांची साधार चिकित्सा करा.

2. विविध कला प्रकारांचा परस्परसंबंध स्पष्ट करा.

तुम्हांस आवडलेल्या एका मराठी चित्रपटाचे **किंवा** मराठी संगीत चित्रफितीचे (अल्बमचे) दैनिकासाठी आस्वाद लेखन करा.

3. पुस्तक परीक्षणासाठी कोणकोणती कौशल्ये आत्मसात करावी लागतात ते थोडक्यात लिहा.

किंवा

तुमच्या गांवातील सरपंचाला कृषीभुषण पुरस्कार मिळाव्याबद्दल त्यांची वृतपत्रांसाठी माहिती लिहा.

P.T.O.

4. आकाशवाणीवरील कार्यक्रमातील संगीत आणि संवादलेखनाचे वैशिष्ट्ये सोदाहरण लिहा.

किंवा

गणेशमूर्ती विसर्जनाच्या मिरवणुकीचे वृत्त दूरदर्शनसाठी लिहा.

5. कोणत्याही **दोहों**वर टीपा लिहा :

(अ) विकास पत्रकारिता

(ब) इंटरनेट-काळाची गरज

(क) पर्यावरण जागृतीवर रिपोर्टाज लेखन

(ड) संवाद लेखनकौशल.

Total No. of Questions—5] [Total No. of Printed Pages—2

[3602]-302

M.A. (Part II) (Third Semester) EXAMINATION, 2009

MARATHI (मराठी)

अभ्यासपत्रिका क्रमांक : 6

(साहित्य : समीक्षा आणि संशोधन)

(JUNE 2008 PATTERN)

वेळ : तीन तास **एकूण गुण : 80**

सूचना :— (*i*) **सर्व** प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहेत.

(*ii*) **सर्व** प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. समीक्षेच्या विविध व्याख्या सांगून समीक्षेची उद्दिष्ट्ये स्पष्ट करा.

किंवा

आकलन व मूल्यमापन यांचे साहित्य समीक्षेतील स्थान स्पष्ट करा.

2. आदर्श समीक्षकाची चिकित्सक दृष्टी, रसिकता आणि तुलनक्षमता या गुणांची चर्चा करा.

किंवा

समीक्षकाने पाळावयाची पथ्ये कोणकोणती ते सोदाहरण लिहा.

3. आस्वादक समीक्षा पद्धती म्हणजे काय ? ते सांगून तिचे गुण-दोष लिहा.

किंवा

मानसशास्त्रीय समीक्षा पद्धतीचे स्वरूप स्पष्ट करा.

P.T.O.

4. "1854 ते 1920 या काळातील समीक्षा प्रगल्भ नसली तरी भावी विकासाची दिशा दाखविणारी आहे." स्पष्ट करा.

किंवा

1920नंतरच्या समीक्षेतील कलावादी व जीवनवादी भूमिका स्पष्ट करा.

5. कोणत्याही **दोहोंवर** टीपा लिहा :

(*i*) समीक्षकाची भाषिक तयारी

(*ii*) समीक्षा विषयाचे अवधान व तारतम्य

(*iii*) आदिबंधात्मक समीक्षा

(*iv*) रा. शं. वाळिंबे.

Total No. of Questions—**5+5**] [Total No. of Printed Pages—**4**

[3602]-303

M.A. (Part II) (Third Semester) EXAMINATION, 2009

MARATHI (मराठी)

अभ्यासपत्रिका क्रमांक : 8

(विशेष लेखकाचा अभ्यास) (प्राचीन/अर्वाचीन)

प्राचीन—संत तुकाराम

(JUNE 2008 PATTERN)

वेळ : तीन तास **एकूण गुण : 80**

सूचना :— (*i*) **सर्व** प्रश्न आवश्यक आहेत.

(*ii*) **सर्व** प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. संत तुकारामांच्या व्यक्तिमत्वाची जडणघडण साधार स्पष्ट करा.

किंवा

संत तुकारामांच्या अभंगातून व्यक्त होणारे त्यांचे चरित्र सोदाहरण लिहा.

2. ''संत तुकारामांची साधकावस्था म्हणजे ध्येयवादी आणि प्रयत्नवादी नि:सीम उपासकाची धारणा होय.'' कसे ते अभंगाद्वारे स्पष्ट करा.

किंवा

संत तुकारामांच्या अध्यात्मिक वाटचालीच्या अभंगाचे विश्लेषण करा.

3. ''संत तुकारामांच्या अभंगातील तत्वज्ञान हे त्यांच्या अनुभवाचे सार आहे.'' या विधानाचे स्पष्टीकरण करा.

P.T.O.

किंवा

वारकरी संप्रदायाचे तत्वज्ञान तुकारामांच्या अभंगाच्या आधारे साधार लिहा.

4. संत तुकाराम यांना 'विद्रोही' हे अभिधान का लावले जाते. सोदाहरण चर्चा करा.

किंवा

'तुका झालासे कळस' या अभंगाच्या आधारे तुकारामांच्या कार्याचे मोठेपण सांगा.

5. कोणत्याही **दोहों**वर टीपा लिहा :

(1) संत तुकाराम आणि समकालीन संत

(2) संत तुकारामांचा विट्ठलाशी संवाद

(3) धर्मसुधारक तुकाराम

(4) जे का रंजले गांजले । त्यासी म्हणे जो आपुले ।

अर्वाचीन—डॉ. द. ता. भोसले

वेळ : तीन तास **एकूण गुण : 80**

सूचना :— (*i*) **सर्व** प्रश्न आवश्यक आहेत.

(*ii*) **सर्व** प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. 'ग्रामीण साहित्याचे भाष्यकार म्हणून डॉ. द. ता. भोसले यांना ओळखले जाते.' साधार लिहा.

किंवा

डॉ. द. ता. भोसले यांच्या लेखनशैलीची वैशिष्ट्ये सोदाहरण लिहा.

2. डॉ. द. ता. भोसले यांच्या विनोदी कथालेखनाची वाङ्मयीन गुणवत्ता विशद करा.

किंवा

डॉ. द. ता. भोसले यांचे कथालेखन अन्य ग्रामीण कथाकारांपेक्षा सर्वस्वी वेगळे आहे, असे तुम्हांस वाटते का ? चर्चा करा.

3. 'मी आणि माझा बाप' या कादंबरीतून मानवी जीवनाचे रंग-भावतरंग कसे व्यक्त झाले, ते लिहा.

किंवा

'इथे फुलांना मरण जन्मता' या कादंबरीतील नायकाचे गुणविशेष लिहा.

4. 'पार आणि शिवार' या ललित गद्यलेखनातील व्यक्तिचित्रांचा परामर्श द्या.

किंवा

डॉ. द. ता. भोसले यांच्या ललित गद्य लेखनातून अभिव्यक्त होणाऱ्या ग्रामीण जीवनाची चर्चा करा.

5. कोणत्याही **दोहों**वर टीपा लिहा :

(अ) 'जन्म'—कथासंग्रहातील स्त्रीपात्रे

(ब) 'मी आणि माझा बाप'—एक चरित्रात्मक कादंबरी

(क) 'आखणीतील दिवस' ची भाषाशैली

(ड) 'परिघावरची माणसं'—ललित गद्यलेखनाचे अंतरंग.

Total No. of Questions—**5+5+5+5+5**] [Total No. of Printed Pages—**8+2**

[3602]-304

M.A. (Part II) (Third Semester) EXAMINATION, 2009

MARATHI (मराठी)

अभ्यासपत्रिका क्रमांक : 8 (ऐच्छिक)

(JUNE 2008 PATTERN)

(1) लोकसाहित्याची मूलतत्वे आणि मराठी लोकसाहित्य.

(2) सौंदर्यशास्त्र.

(3) लेखनविद्या.

(4) मराठीतील वैचारिक साहित्य.

(5) साहित्य : सर्जन व उपयोजन.

वरील प्रश्नपत्रिकांपैकी कोणतीही **एक** प्रश्नपत्रिका सोडवावी.

(1) लोकसाहित्याची मूलतत्वे आणि मराठी लोकसाहित्य

वेळ : तीन तास **एकूण गुण : 80**

सूचना :— (*i*) **सर्व** प्रश्न आवश्यक आहेत.

(*ii*) **सर्व** प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. 'लोक' आणि 'साहित्य' या संकल्पना स्पष्ट करून लोकसाहित्याचे स्वरूप स्पष्ट करा.

किंवा

लोकसाहित्याचे सामाजिक व सांस्कृतिक अनुबंध स्पष्ट करा.

2. मानववंशशास्त्र, भाषाशास्त्र आणि धर्मशास्त्र यांचा लोकसाहित्याशी असलेल्या संबंधाचा परामर्श घ्या.

किंवा

लोकसाहित्याच्या अभ्यासाच्या विविध संप्रदायांचा परिचय करून द्या.

P.T.O.

3. लोकसाहित्याच्या अभ्यासाच्या प्राचीन परंपरा सांगून आधुनिक काळातील प्रयत्न स्पष्ट करा.

किंवा

लोकसाहित्याच्या अध्ययनाची आवश्यकता का आहे ? सविस्तर लिहा.

4. लोकसाहित्यातील लोककथेचे स्वरूप विशद करा.

किंवा

लोकसाहित्याच्या अभ्यासातील अडचणी सांगून लोकसाहित्याच्या अभ्यासकाने पाळावयाचे पथ्ये लिहा.

5. कोणत्याही **दोहों**वर टीपा लिहा :

(1) लोकसाहित्य आणि लोकभ्रम

(2) अर्वाचीन साहित्यातील लोकसाहित्याचे संदर्भ

(3) लोकसाहित्य आणि संत साहित्य

(4) लोकसाहित्यातील परिवर्तन.

(2) सौंदर्यशास्त्र

वेळ : तीन तास **एकूण गुण : 80**

सूचना :— (*i*) **सर्व** प्रश्न आवश्यक आहेत.

(*ii*) **सर्व** प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. सौंदर्यशास्त्राचे स्वरूप स्पष्ट करून सौंदर्यशास्त्राचा मनोविज्ञान आणि तत्वज्ञानाशी असलेला अनुबंध स्पष्ट करा.

किंवा

सौंदर्यशास्त्राचा परिचय करून देऊन सौंदर्यशास्त्र आणि साहित्यसमीक्षा यांचा परस्परसंबंध स्पष्ट करा.

2. विविध सौंदर्यवाचक विधानांचा थोडक्यात परामर्श घ्या.

किंवा

सौंदर्यविधान आणि मूल्यविधान, सौंदर्यविधान आणि द्विध्रुवात्मकता या संकल्पना विशद करा.

3. आविष्कारवाद आणि क्रीडासिद्धांत या सौंदर्यसिद्धांताचा परिचय करून द्या.

किंवा

सौंदर्यसिद्धांत म्हणजे काय ते सांगून भावनानिष्ठतेचा सिद्धांत सोदाहरण स्पष्ट करा.

4. सौंदर्यानुभवातील व्यावहारिक अनुभव आणि तात्वीक अनुभव या **दोन** संकल्पनांचा परिचय करून द्या.

किंवा

सौंदर्यानुभव म्हणजे काय ते सांगून बा. सी. मर्ढेकर आणि प्रभाकर पाध्ये यांचे सौंदर्यानुभवाविषयीचे विवेचन द्या.

5. कोणत्याही **दोहोंवर** टीपा लिहा :

(1) निसर्गसौंदर्य आणि निसर्गाबाहेरील सौंदर्य.

(2) सौंदर्यविधान : सार्वत्रिक की व्यक्तिनिष्ठ ?

(3) सुखवादाचा सिद्धांत.

(4) सौंदर्यानुभवाची भावना.

(3) लेखनविद्या

वेळ : तीन तास **एकूण गुण : 80**

सूचना :— (*i*) **सर्व** प्रश्न आवश्यक आहेत.

(*ii*) **सर्व** प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. मानवी जीवनात भाषिक व्यवहाराचे स्वरूप आणि गरज स्पष्ट करा.

किंवा

'भाषा हा मानवी संस्कृतिच्या विकासाचा पाया आहे'—स्पष्ट करा.

2. मानवी जीवनातील संवादाचे विविध स्तर सोदाहरण स्पष्ट करा.

किंवा

संवादप्रक्रियेतील घटक स्पष्ट करा.

3. अर्थ म्हणजे काय ते सांगून अर्थाचे स्वरूप स्पष्ट करा.

किंवा

अर्थाचे विविध स्तर सोदाहरण लिहा.

4. साहित्याची भाषा आणि व्यवहाराची भाषा यातील फरक स्पष्ट करा.

किंवा

'प्रसारमाध्यमांसाठी मराठीची आवाहनक्षमता परिपूर्ण आहे'—साधार लिहा.

5. कोणत्याही **दोहोंवर** टीपा लिहा :

(1) आर्थिक क्षेत्रात माध्यम म्हणून मराठी भाषेचा वापर

(2) न्यायलयीन क्षेत्रातील परिभाषा

(3) संवाद कौशल्ये

(4) अर्थाचे प्रकार.

(4) मराठीतील वैचारिक साहित्य

वेळ : तीन तास **एकूण गुण : 80**

सूचना :— (*i*) **सर्व** प्रश्न आवश्यक आहेत.

(*ii*) **सर्व** प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. ''महाराष्ट्राच्या एकूण जडण-घडणीत मराठीतील वैचारिक निबंधांचा फार मोठा वाटा आहे.'' या विधानाची चर्चा करा.

किंवा

लोकहितवादींच्या सामाजिक विचारांचा परामर्श घ्या.

2. गो. ग. आगरकरांचे स्त्री-सुधारणाविषयक विचार सोदाहरण लिहा.

किंवा

ताराबाई शिंदे यांनी केलेले स्त्री-पुरुष विषमतेचे विश्लेषण साधार लिहा.

3. स्वातंत्र्यवीर वि. दा. सावरकरांच्या स्वातंत्र्य विषयक विचारांचा परामर्श घ्या.

किंवा

दि. के. बेडेकर ह्यांच्या धर्मचिंतन विषयक विचारांचा आढावा घ्या.

4. जोतीबा फुले ह्यांनी शेतकऱ्यांच्या परिस्थितीविषयी व्यक्त केलेले विचार सोदाहरण लिहा.

किंवा

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांच्या जातीव्यवस्था विषयक विचारांचा आढावा घ्या.

5. कोणत्याही **दोहोंवर** टीपा लिहा :

(1) दर्पणकार बाळशास्त्री जांभेकर

(2) लोकमान्य टिळक

(3) कृष्णराव भालेकरांचे लेखन विशेष

(4) आचार्य जावडेकरांचा 'आधुनिक भारत'.

(5) साहित्य : सर्जन आणि उपयोजन

वेळ : तीन तास **एकूण गुण : 80**

सूचना :— (*i*) **सर्व** प्रश्न आवश्यक आहेत.

(*ii*) **सर्व** प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. भरतमुनींच्या रससुत्राचे स्पष्टीकरण करा.

किंवा

'साहित्य म्हणजे जीवनभाष्य' या विधानाची साधार चर्चा करा.

2. 'कादंबरी हा सर्वसमावेशक साहित्यप्रकार आहे' सोदाहरण विशद करा.

किंवा

नाटकाच्या विचार संहिता व प्रयोग या माध्यमातून करणे योग्य ठरते—कसे ते लिहा.

3. 'कथेतील घटकांपेक्षा तिचे श्रेष्ठपण व्यक्तिरेखाटनावरच अवलंबून असते.'—विस्तृत चर्चा करा.

किंवा

साहित्य निर्मिती संदर्भात वाचन व पुर्वपरंपरांचे ज्ञान यांचा परस्पर अनुबंध स्पष्ट करा.

4. 'व्यक्ति जीवनाची जडणघडण व कर्तृत्व कथन करणारा साहित्यप्रकार म्हणजे चरित्र'—या विधानाची साधार चर्चा करा.

किंवा

आत्मचरित्रातील 'भाषा', 'काळ' आणि 'मी' या घटकांचे स्थान व महत्व विशद करा.

5. कोणत्याही **दोहों**वर टीपा लिहा :

(अ) योगी अरविंदांचा चैतन्यवाद

(ब) रविंद्रनाथ टागोरांचा काव्य व कलाविचार

(क) स्वायत्त आणि परायत्त सौंदर्य

(ड) साहित्यातील जीवनानुभव.

Total No. of Questions—5] [Total No. of Printed Pages—4

[3602]-311

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2009

HINDI (हिंदी)

सामान्य स्तर : प्रश्नपत्र 9

आधुनिक काव्य

(महाकाव्य, दीर्घ कविता तथा काव्यनाटक)

(JUNE 2008 PATTERN)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) कामायनी : जयशंकर प्रसाद

(*ii*) दीर्घ कविताएँ : संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन/ डॉ. नीला बोर्वणकर

(*iii*) अंधा युग : डॉ. धर्मवीर भारती

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. " 'कामायनी' में इतिहास और कल्पना का अनोखा मेल हुआ है"— स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"मनु का परिष्कार कर उसे व्यापक दृष्टि का व्यक्ति बनाना ही कामायनी का प्रतिपाद्य है"— इस कथन के परिप्रेक्ष्य में मनु की चारित्रिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

2. " 'सरोज-स्मृति' केवल आत्मगाथा नहीं है, बल्कि कवि ने अपनी कहानी के माध्यम से पुरानी सामाजिक रूढ़ियों और आधुनिक अर्थपिशाचों पर प्रहार किया है"— विवेचन कीजिए।

अथवा

" 'ब्रह्मराक्षस' कविता व्यक्ति के आंतरिक और सामाजिक संघर्ष की सार्थकता को प्रस्तुत करती है"— स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

3. अंधा युग की कथावस्तु को प्रस्तुत करते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

अंधा युग की शिल्पगत विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'कामायनी' की श्रद्धा

(ख) 'कामायनी' का कला पक्ष

(ग) 'असाध्य वीणा' की प्रतीकात्मकता

(घ) 'पटकथा' में विद्रोह

(च) 'अंधा युग' की गांधारी

(छ) 'अंधा युग' का शीर्षक।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(ज) कहा आगंतुक ने सस्नेह–'अरे तुम इतने हुए अधीर!
हार बैठे जीवन का दाँव, जीतते मर कर जिसको वीर।
तप नहीं केवल जीवन-सत्य करुण यह क्षणिक दीन अवसाद,
तरल आकांक्षा से है भरा-सो रहा आशा का आह्लाद।

अथवा

हम अन्य न और कुटुंबी हम केवल एक हमीं हैं,
तुम सब मेरे अवयव हो जिसमें कुछ नहीं कमी है।
शापित न यहाँ है कोई तापित पापी न यहाँ है,
जीवन-वसुधा समतल है समरस है जो कि जहाँ है।

(झ) श्रेय नहीं कुछ मेरा :

मैं तो डूब गया था स्वयं शून्य में–
वीणा के माध्यम से अपने को मैंने
सब कुछ को सौंप दिया था–
सुना आपने जो वह मेरा नहीं,
न वीणा का था :
वह तो सब कुछ की तथता थी–
महाशून्य
वह महामौन
अविभाज्य, अनाप्त, अद्रवित, अप्रमेय
जो शब्दहीन
सब में गाता है।

अथवा

अपने यहाँ संसद–
तेली की वह घानी है
जिसमें आधा तेल है
और आधा पानी है
और यदि यह सच नहीं है
तो वहाँ एक ईमानदार आदमी को
अपनी ईमानदारी का
मलाल क्यों है ?
जिसने सत्य कह दिया है
उसका बुरा हाल क्यों है ?

(ट) मर्यादा मत तोड़ो

तोड़ी हुई मर्यादा

कुचले हुए अजगर-सी

गुंजलिका में कौरव-वंश को लपेट कर

सूखी लकड़ी-सा तोड़ डालेगी।

अथवा

और विजय क्या है ?

एक लंबा और धीमा

और तिल-तिल कर फलीभूत

होने वाला आत्मघात

और पथ कोई भी शेष

नहीं अब मेरे आगे !

Total No. of Questions—8] [Total No. of Printed Pages—2

[3602]-312

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2009

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 10 : विशेष स्तर

भाषाविज्ञान

(JUNE 2008 PATTERN)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भाषा-व्यवस्था और भाषा-व्यवहार का विवेचन कीजिए।

2. 'स्वन' की संकल्पना स्पष्ट करते हुए स्वनविज्ञान के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

3. स्वनिम की परिभाषा और स्वरूप लिखकर स्वनिमों के वितरण का विवेचन कीजिए।

4. रूपविज्ञान का स्वरूप स्पष्ट करते हुए रूपिमों के भेदों का विवेचन कीजिए।

5. वाक्य की परिभाषा लिखकर वाक्य-विश्लेषण पर प्रकाश डालिए।

6. अर्थ-परिवर्तन की दिशाओं का परिचय दीजिए।

7. भाषाविज्ञान और साहित्य का संबंध परस्पराश्रित है। स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भाषा के अभिलक्षण

(ख) भाषाविज्ञान की शाखाएँ

(ग) वागावयवों का कार्य

(घ) वाक्य के भेद।

Total No. of Questions—5] [Total No. of Printed Pages—3

[3602]-313

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2009

HINDI (हिंदी)

विशेष स्तर : प्रश्नपत्र 11

हिंदी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)

(JUNE 2008 PATTERN)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. आदिकालीन साहित्य के आविर्भाव में तत्कालीन विविध परिस्थितियों का योगदान रहा है। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) चंदबरदाई

(ख) सिद्ध साहित्य

(ग) आदिकाल का नामकरण।

2. भक्तिकाल के ज्ञानाश्रयी काव्य की प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(घ) रामभक्ति शाखा

(च) सूरदास

(छ) भक्तिकालीन नीति-काव्य।

3. रीतिबद्ध काव्यधारा का परिचय देते हुए उसमें आचार्य केशवदास का योगदान स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(ज) रीतिकाल के विविध नाम

(झ) रीतिकालीन राजनीतिक परिस्थिति

(ट) कवि भूषण।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर विस्तार से लिखिए :

(*i*) आदिकालीन साहित्य की विविध प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

(*ii*) भक्तिकालीन साहित्य की सामाजिक उपादेयता पर प्रकाश डालिए।

(*iii*) 'रीतिकाल की शृंगारिक कविता सामंती सभ्यता की परिचायक है'– विवेचन कीजिए।

5. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [10]

(*i*) हिंदी साहित्य के इतिहासकारों के नाम लिखिए।

(*ii*) आचार्य रामचंद्र शुक्लजी द्वारा प्रतिपादित साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन एवं नामकरण बताइए।

(*iii*) नंददास के काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

(*iv*) प्रेमाश्रयी शाखा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ बताइए।

(*v*) कृष्णभक्ति काव्य में मीराँबाई का योगदान स्पष्ट कीजिए।

(*vi*) रीतिकालीन नीति-काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

(*vii*) कवि पद्माकर के साहित्य का परिचय दीजिए।

(आ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक** वाक्य में लिखिए : [6]

(*i*) नाथ संप्रदाय के प्रवर्तक कौन हैं ?

(*ii*) विद्यापति किसके अमर गायक हैं ?

(*iii*) प्रेमाख्यान काव्य किस भाषा में लिखे गए हैं ?

(*iv*) 'विनयपत्रिका' किसका कंठहार है ?

(*v*) नख-शिख वर्णन किसे कहते हैं ?

(*vi*) किस कवि ने 'सुजान' का वर्णन किया है ?

Total No. of Questions—8+8+8] [Total No. of Printed Pages—4

[3602]-314

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2009

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 12 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

(JUNE 2008 PATTERN)

महत्त्वपूर्ण सूचना :— निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए।

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. आलोचना का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

2. आलोचना के प्रमुख प्रकारों का परिचय दीजिए।

3. सर्जनशील साहित्य के विकास में आलोचना की भूमिका विशद कीजिए।

4. आ. रामचंद्र शुक्ल की आलोचना पद्धति का स्वरूप एवं विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

5. 'आ. नन्ददुलारे वाजपेयी में हिंदी आलोचना की सौष्ठववादी धारा की पूर्ण प्रतिष्ठा हुई है।' इस कथन के आलोक में वाजपेयी की आलोचना पद्धति पर प्रकाश डालिए।

6. हिंदी आलोचना में डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी के योगदान पर प्रकाश डालिए।

7. हिंदी साहित्य की जनवादी परंपरा को साहित्य की मुख्य धारा बनाने में नामवर सिंह का बड़ा योगदान है। स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आलोचना का उद्देश्य

(ख) सैद्धांतिक आलोचना

(ग) रसवादी आलोचक डॉ. नगेंद्र

(घ) मार्क्सवादी आलोचक डॉ. रामविलास शर्मा।

प्रश्नपत्र 12 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

(आ) अनुवाद विज्ञान

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. अनुवाद को परिभाषित करते हुए उसकी आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

2. अनुवाद कार्य में सहायक साधनों की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

3. अनुवाद के प्रकारों का विवेचन कीजिए।

4. वाणिज्य और व्यावसायिक क्षेत्र की सामग्री के अनुवाद के स्वरूप एवं आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

5. कंप्यूटर अनुवाद किसे कहते हैं ? उसकी सीमाएँ कौन-सी हैं ?

6. नाट्यानुवाद की समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

7. अनुवाद समीक्षा की आवश्यकता बताते हुए उसके निकषों पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अनुवादक की योग्यता

(ख) अनुवाद और वाक्य-विज्ञान

(ग) वैज्ञानिक अनुवाद की समस्याएँ

(घ) मुहावरों और कहावतों का अनुवाद।

प्रश्नपत्र 12 : वैकल्पिक : विशेष स्तर

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. सूचना प्रौद्योगिकी के विविध रूपों का परिचय दीजिए।

2. विकासमूलक तथा लोकतांत्रिक संचार का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

3. भाषा की सूचनात्मक क्षमता का परिचय दीजिए।

4. जनसंचार माध्यमों के किन्हीं **दो** भाषा रूपों का विवेचन कीजिए।

5. रेडियो तथा दूरदर्शन की पत्रकारिता का स्वरूप स्पष्ट करते हुए दोनों में साम्य-वैषम्य लिखिए।

6. 'जनसंचार माध्यमों की हिंदी का प्रभाव प्रादेशिक भाषाओं पर हो रहा है'— स्पष्ट कीजिए।

7. इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की हिंदी भाषा के मानकीकरण पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) इलेक्ट्रॉनिक अंतर्ग्रथन

(ख) बच्चों के कार्यक्रम

(ग) इंटरनेट की पत्रकारिता

(घ) इ-कॉमर्स।